शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 142 | गुवाहाटी | शनिवार, 21 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रक्षा प्रणालियों में एआई को उच्च प्राथमिकता दे रहा भारत : राष्ट्रपति पेज 2
गुवाहाटी में कांग्रेस के जनता भवन घेराव को पुलिस ने किया विफल पेज 3
ओम प्रकाश चौटाला के डर से अफसरों ने पार्टियों में जाना किया बंद पेज 5
पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी करेगा नई दिल्ली पेज 7

जयपुर में ट्रक की टक्कर से एलपीजी टैंकर में धमाका, 11 लोग जिंदा जले, भारी तबाही

● 35 से अधिक लोग 50 फीसदी से ज्यादा झुलसे ● स्लीपर बस समेत करीब 40 गाड़ियां जलकर खाक ● पीएम एवं सीएम ने की आर्थिक मदद की घोषणा ● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने घटना पर जताया गहरा दुख

जयपुर (हि.स.)। भांकरोटा थाना इलाके में जयपुर-अजमेर हाइवे स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने शुक्रवार सुबह करीब पौने छह बजे एलपीजी टैंकर में हुए धमाके से 11 लोगों की जिंदा जल कर मौत हो गई। हादसे में 53 से अधिक लोगों को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा इतना भयानक था कि उसने करीब चालीस से अधिक वाहनों को चपेट में ले लिया, इसमें एक स्लीपर बस भी शामिल है, जो टैंकर के पीछे चल रही थी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियां घटनास्थल और उसके आसपास पास के इलाके में आग बुझाती रही। जानकारी के अनुसार एलपीजी टैंकर में हुआ ब्लास्ट इतना भयंकर था कि आग की लपटें करीब दो सौ फीट ऊपर उठी। टैंकर में भरी करीब 32 टन गैस में जोरदार धमाका हुआ जिसके कारण टैंकर उछल कर घटनास्थल के आसपास के वाहनों पर गिरा, जिससे वे वाहन भी जलकर राख हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए जबकि घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 5 लाख तथा गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि भारत पेट्रोलियम के एलपीजी गैस से भरा टैंकर शुक्रवार सुबह करीब पौने छह बजे अजमेर से जयपुर की ओर आ रहा था और दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने से वापस यू-टर्न ले रहा था, तभी जयपुर से आ रहे ट्रक ने टैंकर को टक्कर मार दी। जिससे टैंकर में लगे पांच नोजल टूट गए और लिक्विड एलपीजी आसपास के इलाके में फैलने लगी। धमाके के साथ निकली चिंगारी के संपर्क में आते ही चारों ओर आग और धुएं का गुबार फैल गया। चारों ओर लोगों की चीख-पुकार मच गई। चालीस से अधिक आग की चपेट में आए वाहनों में सवार लोगों ने अपनी जान बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वे आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो धमाके साथ लगी आग की चपेट में आए लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। टैंकर के पीछे चल रही एक स्लीपर बस और हाईवे किनारे मौजूद पाइप फैक्ट्री भी जल गई। चारों ओर अधजले और घायल लोगों की चीख-पुकार मच गई। गेल इंडिया लिमिटेड के डीजीएम (फायर एंड सेफ्टी) सुशांत कुमार सिंह ने बताया कि टक्कर के कारण टैंकर में लगे पांच नोजल टूट कर गिर गए और लिक्विड रूप में एलपीजी निकल कर पूरे इलाके में फैल गई। टक्कर लगते ही स्पार्क हुआ, इससे गैस ने आग पकड़ ली -शेष पृष्ठ दो पर

अतिवादिता छोड़ धर्म का मध्यम मार्ग लेकर चलना है : भागवत

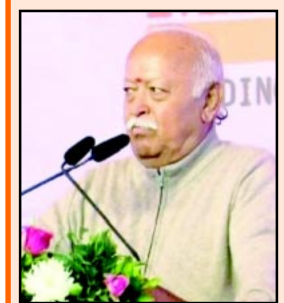

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के *हिंदुओं के नेता* बनने वाले बयान को अब हर तरफ समर्थन मिल रहा है। इस बीच उन्होंने एक और बड़ा बयान दिया है। भागवत ने कहा किसभी बातों की अतिवादिता छोड़कर हमें धर्म का मध्यम मार्ग लेकर चलना है। शास्त्र लिखते वक्त उनमें मानव धर्म लिखा गया। अब उस धर्म को दुनिया भूल गई। विश्व शांति की घोषणा करके हमें बताया जाता है लेकिन वहां (विश्व के अन्य देशों में) अल्पसंख्यकों की क्या स्थिति है। ये विश्व शांति की बात करते हैं। भारत की परंपरा रही है और हमने तीन हजार साल तक ये करके दिखाया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमारे देश में अन्य देशों की तरह न तो कभी कोई विपदा आई और न कभी आएगी। प्रणाली को न केवल शिक्षा को विनियमित -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कामी पुरुष कोई कार्य नहीं कर सकता।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मिड डे मील में अंडा नहीं मिलने पर सड़क पर उतरे बच्चे

परबत्ता (खगड़िया)। प्रखंड क्षेत्र के कन्या प्राथमिक विद्यालय वैसा में मध्याह्न भोजन में अंडा नहीं मिला तो बच्चे सड़क पर उतर आए और वैसा फील्ड के पास में महेशखूंट-अगुवानी पथ को जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार वैसा पंचायत के कन्या प्राथमिक विद्यालय वैसा में मेनू के अनुसार छात्र-छात्राओं को मध्यान भोजन नहीं मिलने के कारण बच्चे पहले से ही आक्रोशित -शेष पृष्ठ दो पर

भारत पर जन्म लेने वालों को भारत माता की जय बोलना ही चाहिए : स्वामी ज्ञानानंद

इंदौर (हि.स.)। वेदांत का मूल तत्व ज्ञान ही है। ज्ञान के अभाव में मनुष्य का आचरण पशुवत माना गया है। हमारी सनातन संस्कृति, धर्म और सदभाव की बुनियाद पर टिकी हुई है, लेकिन किसी को भी हमारी सौजन्यता का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत की धरती पर जिन्होंने जन्म लिया है, उन्हें भारत माता की जय बोलना ही चाहिए। हमारा भारत भूमि में जन्म लेना -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच करेगी संसद धक्का-मुक्की कांड की जांच

नई दिल्ली। संसद परिसर में गुरुवार को हुए हंगामे और धक्का-मुक्की कांड को लेकर भाजपा और कांग्रेस की शिकायत की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। भाजपा की शिकायत में लोकसभा नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा का आरोप है कि राहुल गांधी ने भाजपा सांसदों को धक्का दिया और 2 सांसद जख्मी हो गए। यह मामला भाजपा की सांसद बांसुरी स्वराज, हेमंग जोशी और अनुराग ठाकुर की शिकायत पर संसद मार्ग थाने में दर्ज किया गया है। वहीं, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष को धक्का दिया। कांग्रेस के सांसदों पर हमला किया गया। अब मामला पुलिस थाने तक पहुंच चुका हैं। दोनों तरफ से एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बता दें कि बाबासाहेब आंबेडकर से जुड़े मुद्दे -शेष पृष्ठ दो पर

भविष्य प्रौद्योगिकी से संचालित होगा : डॉ. शर्मा

नगांव (हि.स.)। असम में विकास की गति को तेज करने और जन कल्याण को प्राथमिकता देने के लिएमुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को नगांव में प्रज्ञान भारती योजना के तहत मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया। यह कार्यक्रम में असम राज्य सरकार की *विकास के 12 दिन* पहल के रूप में आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने यहां डॉ. बाणिकांत काकोती मेरिट पुरस्कार (स्कूटी), मुख्यमंत्री की विशेष योजना के तहत 9वीं कक्षा के छात्रों को साइकिल और आनंदोराम बरूवा पुरस्कार के तहत हाई स्कूल की अंतिम परीक्षा में 75 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार वितरित करने का शुभारंभ किया। इस मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही वर्तमान पीढ़ी विकसित असम का मार्ग प्रशस्त कर रही है और डॉ. बाणिकांत काकोती जैसे अतीत के दूरदर्शी और गोपीनाथ बरदलै जैसे नेताओं के सपने अब साकार हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से नए असम के निर्माण के मिशन के तहत बौद्धिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक व्यापक -शेष पृष्ठ दो पर

संसद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष की ओर से किए गए व्यवधानों के कारण संसद की उत्पादकता में कमी आई है। सरकार ने संसद को चलाने के लिए बहुत प्रयास किया। वे विपक्ष से अपेक्षा और अनुरोध करते हैं कि वह बजट सत्र में इस तरह की गड़बड़ी पैदा न करें। संसदीय कार्यमंत्री ने आज दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद संसद में हुए कामकाज का ब्यौरा मीडिया के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस सत्र में लोकसभा में 4 और राज्यसभा में 3 विधेयक पारित किए गए। इस दौरान रिजिजू -शेष पृष्ठ दो पर

ताइवान के सांसदों में खूब चले लात-घूंसे, कुर्सियां भी फेंकी

नई दिल्ली। ताइवान की संसद में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी पर कब्जा करने के कोशिश की। शुक्रवार रात को विपक्षी सांसद जबरदस्ती संसद में घुसे और तोड़फोड़ की। इतनी देर में दूसरी पार्टी को सांसद भी स्पीकर की कुर्सी तरफ आ पहुंचे। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसद आपस में भिड़ गए। एक झटके में संसद मानों कुश्ती का अखाड़ा बन गया। ताइवान की रिपोर्ट के मुताबिक, इस झड़प में कुछ सांसद घायल भी हो गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल -शेष पृष्ठ दो पर

एक देश-एक चुनाव के लिए जेपीसी घोषित, पीपी चौधरी बने अध्यक्ष

27 लोकसभा और 12 राज्यसभा सांसद शामिल

नई दिल्ली। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर लोकसभा सचिवालय ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) घोषित कर दिया है। जेपीसी में लोकसभा से 27 सदस्य और राज्यसभा से 12 सदस्य शामिल हैं। भाजपा सांसद पीपी चौधरी को जेपीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस तरह से देखें तो जेपीसी में कुल सदस्यों की संख्या 39 रहेगी। केंद्र की मोदी सरकार ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर मंगलवार को लोकसभा में बिल पेश किया था। इस समिति में लोकसभा के जिन 27 सदस्यों को शामिल किया गया है उसमें पीपी चौधरी के साथ सीएम रेशम, बांसुरी स्वराज, पुरुषोत्तम भाई रुपाला, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, भर्तृहरि महताब, संबित पात्रा, अनिल -शेष पृष्ठ दो पर

1984 के सिख विरोधी दंगों पर हलफनामा दायर करे केंद्र : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर नया फरमान जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमों की स्थिति पर केंद्र सरकार से दो सप्ताह के भीतर ताजा स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल करने कहा है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। खंडपीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एश्वर्या भाटी को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं को भी विस्तृत आपत्तियां दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर -शेष पृष्ठ दो पर

हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला का निधन

चंडीगढ़। अनुभवी इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। हरियाणा के राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाले चौटाला का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। राज्य की राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति, चौटाला ने कई अवसरों पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्हें आईएनएलडी में उनके नेतृत्व और राज्य की राजनीतिक दिशा को आकार देने में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता था। उनकी मृत्यु हरियाणा के राजनीतिक इतिहास में एक युग के अंत का प्रतीक है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने हरियाणा के विकास में चौटाला के योगदान को याद करते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की है। उनका परिवार और समर्थक शोक में हैं क्योंकि वे उनके अंतिम -शेष पृष्ठ दो पर

क्रूरता में पाकिस्तान से आगे बांग्लादेश

हिंदुओं पर हमले के 2200 मामले, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली। बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार ने शुक्रवार को राज्य सभा को बताया कि बांग्लादेश में इस साल आठ दिसंबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 2,200 मामले सामने आए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने मानवाधिकार संगठनों के आंकड़ों का हवाला देते हुए राज्यसभा में लिखित उत्तर में बताया कि पाकिस्तान में इस साल अक्तूबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 112 मामले सामने आए। पिछले साल बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 302 घटनाएं सामने आई थीं, वहीं पाकिस्तान में वर्ष 2023 में इस तरह की 103 घटनाएं हुई थीं। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर अन्य पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान से धार्मिक असहिष्णुता, सांप्रदायिक हिंसा, अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने और उनकी सुरक्षा, सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। भारत अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रक्षा प्रणालियों में एआई को उच्च प्राथमिकता दे रहा भारत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि भारत उभरती प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को उच्च प्राथमिकता दे रहा है तथा भारतीय रक्षा प्रणालियों में उनका उपयोग कर रहा है ताकि दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हो सके। राष्ट्रपति मुर्मु आज सिकंदराबाद स्थित रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रपति निशान (प्रेसिडेंट कलर्स) अलंकर समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इस त्रि-सेवा प्रशिक्षण संस्थान को प्रेसिडेंट कलर्स प्रदान करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह अवसर भविष्य के लिए हमारे सशस्त्र बलों के रणनीतिक नेताओं को विकसित करने में रक्षा प्रबंधन कॉलेज की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की बढ़ी हुई रक्षा प्रबंधन क्षमता कूटनीतिक और सैन्य साझेदारी को मजबूत करने तथा रक्षा निर्यात बढ़ाने में मदद करेगी। इससे भारत को वैश्विक सुरक्षा मंचों पर सक्रिय रुख बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी में प्रगति का राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। युद्ध की पारंपरिक परिभाषाओं और तरीकों को उभरती प्रौद्योगिकियों और नई रणनीतिक साझेदारियों द्वारा चुनौती दी जा रही है। भारत उभरती प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को उच्च प्राथमिकता दे रहा है और बढ़ी हुई दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए भारतीय रक्षा प्रणालियों में उनका उपयोग कर रहा है। हम एक समग्र दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसमें अपनी पारंपरिक सेनाओं को उन्नत करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, साइबर युद्ध क्षमताओं और अंतरिक्ष रक्षा प्रौद्योगिकियों सहित अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों के जवालों को नवीनतम तकनीकी विकास के साथ खुद को अपडेट रखने की आवश्यकता है। ग्रे जोन युद्ध और हाइब्रिड युद्ध के इस युग में, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट जैसे संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पान बाजार पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के दिघलीपुखरी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 21 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी में भर कर रखे गए 28 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान विशाल सिंह (सोलापार) के रूप में की गई है।

अभाविप और एएएफए की पहल पर *महाबीर लाचित कप* फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), असम और ऑल असम फुटबॉल एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास से आगामी 27 जनवरी से 18 फरवरी तक पूरे असम में *महाबीर लाचित कप* नामक एक (अंडर-20) फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में असम के विभिन्न शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता पहले जिला स्तर पर, फिर जोनल स्तर पर और अंत में राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। जिला स्तर की प्रतियोगिता 27 जनवरी से शुरू होगी, जबकि राज्य स्तरीय फाइनल मुकाबला 18 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि असम के 400 से अधिक शिक्षण संस्थानों के इस *महाबीर लाचित कप* फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की संभावना है। असम के फुटबॉल इतिहास में इसे अब तक की सबसे बड़ी फुटबॉल प्रतियोगिता के रूप में देखा जा रहा है। इस प्रतियोगिता के विजेता टीम को 1.5 लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। आज इस संबंध में असम कृषि विश्वविद्यालय, खानापारा के प्रेक्षागृह में विस्तार शिक्षा संयुक्त निदेशालय के तत्वावधान में एक त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई।

No.BDB/6th ASFC(Tender\)/2024-25/Pt.5/1 *Dated Borobazar,the 20th Dec., 2024*

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

Tender No. 5of 2024-25

The office of the Block Dev. Officer, Borobazar T. D. Block, Chirang invite bids for the works under award of Specific Grant-in-aid of 6thASFC for the year 2020-21 during 2024-25 in Bid system (F 2 Form) affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty-five) only from the registered contractors of Class-I (A, B & C) and Class-II category of Assam PWD (Road & Building) as details below.

Sl. No.	Name of the work	Bid Amount (In Rs.)	Earnest Money/ Bid Security (in Rs.)		Cost. of Bid	Period of completion
			General category	Reserved category		
1	Const. of roadwith E/F and S/G from Dabaram Basumatary via Sachin Basumatary to Ananda Basumatary at No 2 Bashbari village	1981464.00	39630.00	19815.00	600.00	90 days
2	Const. of roadwith E/F and S/G Tobguri village Library to Mandal Land	1981464.00	39630.00	19815.00	600.00	90 days
3	Const. of sand gravelling from Kurjabguri ME school to Dipak Barman house	1981464.00	39630.00	19815.00	600.00	90 days
4	Const. of sand gravelling from DihibguriBandhw to Dohalapara village Gwtwisali	1981464.00	39630.00	19815.00	600.00	90 days

Detail NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. In case the office remain close on tender issuing/ receiving/opening date the same will be issued/received/opened on the next working day.

1. Date of issue of Bid Document : 21/12/2024
2. Last date of issue and submission of Bid Document : 13/1/2025 up to 2.00 PM
3. Date of opening of Bid : 13/1/2025 at 2.30 PM

Sd/- Block Dev. Officer,
Borobazar T.D. Block

IPR(BTC)-2023-24/1143

चोरी की बाइक समेत एक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की चांदमारी पुलिस ने अपराध शाखा के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाते हुए चोरी की एक बाइक समेत एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि चांदमारी थाने की टीम ने अपराध शाखा के साथ मिलकर चोरी हुई पल्सर बाइक (एएस-01एफडब्लू-2843) के मामले को सुलझाते हुए चोर को गिरफ्तार किया है। टीम ने चांदमारी में हनुमान मंदिर के पास भबानीपुर के हाफीजुल इस्लाम (21) को गिरफ्तार किया। पुलिस इस

भारत ने 2.0 की कुल प्रजनन दर हासिल की : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार भारत ने 2.0 की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) प्राप्त कर ली है। शुक्रवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (2.1 का टीएफआर) के अनुरूप है। उन्होंने परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं को भी सूचीबद्ध किया। इसमें विस्तारित गर्भनिरोधक विकल्प शामिल हैं, जिसमें कंडोम, संयुक्त मौखिक गर्भनिरोधक गोलियां, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियां, अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (आईयूसीडी) और लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली नसबंदी शामिल हैं।

एक युवती समेत चार ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के चेंगा इलाके से पुलिस ने एक युवती समेत चार ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को जिले के ताराबारी थाना अंतर्गत चेंगा इलाके में स्थानीय लोगों द्वारा एक युवती समेत चार लोगों को ड्रग्स के साथ पकड़ा गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम ने चेंगा राजस्व चक्र अधिकारी की मौजूदगी में हेरोइन भरी हुई चार प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर समेत चारों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

पृष्ठ एक का शेष

जयपुर में ट्रक की ...

और पूरे इलाके में धमाका हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि चालीस से ज्यादा गाड़ियां आग की चपेट में आ गईं। इन गाड़ियों में बैठे लोगों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। टैंकर के पीछे चल रही एक स्लीपर बस और हाईवे किनारे मौजूद पाइप फैक्ट्री भी जल गई। धमाके के बाद गैस फैलने से रेस्क्यू में काफी परेशानी आई। उन्होंने बताया कि स्लीपर बस में बाहर निकलने का एक ही दरवाजा था, एक्सीडेंट की वजह से उसका दरवाजा एक ट्रक से चिपक गया। इस कारण उसमें सवार 34 लोगों को बाहर निकलने की जगह नहीं मिली, बड़ी मुश्किल से ड्राइवर वाले गेट से लोगों को बाहर निकाला गया। इस बस में सवार 19 से ज्यादा लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। घटना के बाद एहतियातन दिनभर पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति ठप रही। एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर सुशील भाटी ने बताया कि पहले दो-तीन मरीज आए थे, इसके बाद अचानक बहुत सारे मरीज लाए गए। भर्ती मरीजों में 10 से 12 मरीज ऐसे हैं, जो 60 प्रतिशत से ज्यादा जले हैं। छह मरीज अभी वेंटिलेटर पर हैं। एसएमएस अस्पताल के मोर्चरी में सात शवों को लाया गया है, जिनमें एक महिला, दो पुरुषों की पहचान नहीं हुई है। एक अज्ञात शव को पॉलिथीन में लाया गया है। वहीं, दो शवों की पहचान हुई है। इनमें हरलाल पुत्र नानूराम, ग्राम राजपुरा (सीकर) निवासी हैं। शहाबुद्दीन पुत्र मोहम्मद, रायबरेली यूपी के निवासी हैं। हादसे में आरएसी कॉन्स्टेबल अनीता मीणा (28) की भी मौत हो गई। अनीता आरएसी में 2016 बैच की कॉन्स्टेबल थीं। सुबह दूदू से ड्यूटी के लिए चौनपुरा के लिए स्लीपर बस में निकली थीं। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सर्जन डॉक्टर आरके जैन ने बताया कि 32 मरीज भर्ती हुए थे। इनमें से 15 मरीज ऐसे थे, जो 50 फीसदी से ज्यादा झुलसे थे। इलाज के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग मृत लाए गए थे। एक ने जयपुरिया हॉस्पिटल में दम तोड़ा। गोविंद नारायण (33), संदीप (30), बनवारी लाल (32), शाहिद (34), सौमराज मीना (28), युसूफ (45), लीला (45), लक्ष्मण (37), विजेंद्र (36), निर्मला (68), अशोक पारीक (35), वंजीता (23), राधेश्याम चौधरी (32), लालाराम (28), सहाबुद्दीन (35), नरेश (36), अमर (42), सुरेंद्र (50), महेंद्र (42), सुनील (20), अशोक (35), जगदीश रैगर (30), हरलाल (29), शिवा (32), राजू (40), गीता (23), शैलेंद्र (35), लोकेश (18), शबनम (24), फिजन (20), राजूलाल (34), बबलू गुर्जर (21), कपिल (24)। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के उपरांत सीएम भजनलाल शर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिस्थितियों का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि वे अस्पताल होकर आए हैं जहां अधिकारियों को तुरंत इलाज के निर्देश दिए गए हैं। सरकार इस घटना के संबंध में जो बन पड़ेगा वो करेगी, इलाज में भी हम सहयोग करेंगे। हमनें हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है जिसके माध्यम से सूचना दी जाएगी। इस विषय की विस्तृत जांच होगी। परिवहन विभाग जयपुर-अजमेर हाईवे पर हुए हादसे की जांच कराएगा। इसके लिए कमेटी गठित होगी। जिसमें परिवहन, एनएचएआई, पुलिस और मेडिकल विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। जयपुर में हुई सड़क दुर्घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी दुख जताया। राष्ट्रपति ने कहा कि जयपुर में हुई सड़क दुर्घटना के कारण अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना करती हूं। उनके परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी शोक संवेदनाएं। मेरी प्रार्थना है कि घायल हुए लोग शीघ्र ही स्वस्थ हों। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम और उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने घटनास्थल का दौरा किया। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि टैंकर और ट्रक के बीच भिड़ंत हुई है। आग की लपटें इतनी तेज हुईं कि अन्य वाहनों को भी उसने अपनी चपेट में ले लिया। मृतक परिवारों के प्रति हमारी संवेदना है। सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी। हम जल्द ही इस रास्ते को साफ करवाएंगे। जब तक रास्ता साफ नहीं हो जाता है। हम यहीं हैं। हमने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर में आग की हृदयविदारक घटना अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार घायलों के त्वरित उपचार और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। यहां पर डोटासरा ने जयपुर अग्निकांड के घायलों की कुशलक्षेम पूछी। साथ ही डॉक्टरों से पीड़ितों की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

अतिवादिता छोड़ धर्म ...

करना चाहिए, बल्कि उसका पोषण भी करना चाहिए। शिक्षा का पोषण पूरे समाज को करना चाहिए। साक्षरता और सीखने में अंतर है। इंसान बनने के लिए शिक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि जन्म से सभी जानवर हैं। विचारों की दिशा नर को नारायण बनाने की होनी चाहिए न कि नर को नराधम बनाने की। मनुष्य बनाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है। शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है। अच्छी शिक्षा प्राप्त करके जितना चाहो कमाओ लेकिन फिर जो चाहो उसे रखो और बाकी सबको दे दो। संघ प्रमुख ने कहा कि कुछ विचार चलन में आते हैं। हमें भी अपने सनातनत्व को संरक्षित करके अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का यही कार्य करना चाहिए। हम इसके शरीर और आंख को साकार रूप में देख सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि हम महान नेतृत्व वाला देश बना सकते हैं। इससे पहले गुरुवार को पुणे में भारत-विश्वगुरु विषय पर बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने समावेशी समाज की बात की थी। उन्होंने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर चिंता व्यक्त की। भागवत ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को लग रहा है कि वो ऐसे मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। दुनिया को ये दिखाने की आवश्यकता है कि देश सद्भावना के साथ रह सकता है। रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस मनाया जाता है। केवल हम ही ऐसा कर सकते हैं क्योंकि हम हिंदू हैं। हम लंबे समय से सद्भावना से रह रहे हैं। अगर दुनिया को यह सद्भावना देना चाहते हैं तो इसका एक मॉडल बनाने की जरूरत है।

दिल्ली पुलिस की...

पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके बीच धक्का-मुक्की भी हुई थी। संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 117 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना), 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का कार्य), 131 (आपराधिक बल का प्रयोग), 351 (आपराधिक धमकी) और 3(5) (सामान्य इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। भाजपा का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की, जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए। सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा सांसदों ने उन्हें और अन्य विपक्षी सदस्यों को संसद भवन में जाने से रोका और धक्का-मुक्की की। राहुल गांधी ने कहा कि मैं संसद के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन भाजपा के सांसद मुझे रोकने की कोशिश कर रहे थे, धक्का दे रहे थे और धमका रहे थे। राहुल ने दावा किया कि खरगे और प्रियंका गांधी के साथ भी धक्का-मुक्की की गई, लेकिन इससे विपक्ष को फर्क नहीं पड़ता। यह संसद है और अंदर जाना हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा यह है कि संविधान और बाबासाहेब की स्मृति का अपमान हुआ है। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह की बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित टिप्पणी को लेकर विरोध जताते हुए विपक्षी सदस्यों ने मार्च निकाला तो भाजपा सांसदों ने कांग्रेस पर बाबासाहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। संसद भवन के *मकर द्वार* के निकट सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य एक दूसरे के सामने आ गए और जमकर नारेबाजी की। दरअसल, अमित शाह की टिप्पणी को लेकर संसद के दोनों सदनों में बुधवार से गतिरोध बना हुआ है। कांग्रेस और विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने *भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा* विषय पर राज्यसभा में दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। दूसरी तरफ भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबासाहेब का अपमान किया और उन्हें चुनाव में तक हरवाया। राम मनोहर लोहिया अस्पताल की तरफ से दी गई जानकारी में बताया गया कि घायल होकर अस्पताल आए प्रताप सारंगी को बहुत ज्यादा रक्तस्राव हो रहा था और उन्हें गहरा घाव भी हुआ था। इसलिए उन्हें टांके लगाने पड़े और मुकेश राजपूत बेहोश हो गए थे।

भविष्य प्रौद्योगिकी से ...

ज्ञान प्राप्त करने के लिए पाठ्यपुस्तकों से परे पढ़ने के महत्व पर भी जोर दिया। भविष्य को देखते हुए उन्होंने कल्पना की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भविष्य प्रौद्योगिकी से संचालित होगा। उन्होंने छात्रों से भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने और इन क्षेत्रों में ज्ञान प्राप्त करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. बनिकंता काकती मेरिट पुरस्कार के तहत नगांव जिले के 3,450 विद्यार्थियों को स्कूटीवितरित करने, नगांव जिले के 1,856 विद्यार्थियों को आनंदोराम बरूवा पुरस्कार और मुख्यमंत्री की विशेष योजना के तहत नगांव जिले के 9वीं कक्षा के 16,560 विद्यार्थियों को साइकिल देने की शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा, विधायक रूपक शर्मा, जीतू गोस्वामी, डिप्लू रंजन शर्मा, शशिकांत दास, भाजपा नगांव जिला अध्यक्ष अभिजीत नाथ, अगप नगांव जिला अध्यक्ष मोनी माधब महंत, नगांव के जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार शाह, नगांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका, छात्रों, शिक्षकों और अन्य गणमान्य व्यक्ति आदि उपस्थित थे।

एक देश-एक चुनाव...

बालुनी, विष्णु दत्त शर्मा, बैजयंत पांडा, संजय जयसवाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, छोटेलाल, कल्याण बनर्जी, टी एम सेल्वागणपति, जीएम हरीश, अनिल यशवंत देसाई, सुप्रिया सुले, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शंभावी, के राधाकृषणन, चंदन चौहान, बालशौरि वल्लभनेनी शामिल हैं। वहीं, राज्यसभा के जिन 12 सांसदों को शामिल किया है उसमें घनश्याम तिवारी, भुवनेश्वर कलिता, डॉ के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल बालकृष्ण वासनिक, सांकेत गोखले, पी विल्सन, मानस रंजन, वी विजयसाई रेड्डी शामिल हैं। लोकसभा में मत विभाजन के बाद संविधान (129 वां संशोधन) विधेयक, 2024 को पुर:स्थापित किया गया। विधेयक को पेश किए जाने के पक्ष में 263 वोट, जबकि विरोध में 198 वोट पड़े थे। इसके बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ध्वनिमत से मिली सदन की सहमति के बाद संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को भी पेश किया था। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए आरोप लगाया था कि यह संविधान के मूल ढांचे पर हमला है। उन्होंने यह भी कहा था कि विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए। कानून मंत्री मेघवाल ने कहा था कि एक साथ चुनाव कराने से संबंधित प्रस्तावित विधेयक राज्यों की शक्तियों को छीनने वाला नहीं है, बल्कि यह विधेयक पूरी तरह संविधान सम्मत है। लोकसभा और राज्यसभा की कुछ विपक्षी दल इस बिल का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि पहले तो इस तरह की व्यवस्था अमल में नहीं लाया जा सकता क्योंकि इसके पीछे कई तरह की दिक्कतें सामने आ सकती हैं। इसके अलावा एक देश एक चुनाव की वजह से केंद्र में एकधिकार जैसी स्थिति भी देखने को मिल सकती है। हालांकि, विपक्ष के सवालों के जवाब में सत्ताधारी दल इतिहास के पन्ने पलट रहे हैं। उनका कहना है कि देश में 1952 से 1967 तक सभी चुनाव एक साथ ही हुए थे। तब विपक्ष को दिक्कत नहीं था, अब जब फिर से एक देश एक चुनाव की व्यवस्था की बात की जा रही है तो उन्हें दिक्कत आ रही है।

1984 के सिख...

जनरल एश्वर्या भाटी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले विशेष जांच दल का गठन किया था। उसकी सिफारिशों को लागू किया गया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वकील ने एक एफआईआर का जिक्र किया और कहा कि एसआईटी रिपोर्ट से यह सामने आया है कि एक एफआईआर में 500 मामलों को जोड़ दिया गया था, ताकि जांच अधिकारी उनकी जांच नहीं कर सके। लगभग 5 साल बाद जस्टिस एसएन ढींगरा की अध्यक्षता में गठित एसआईटी, जिसने उन लगभग 200 एंटी-सिख दंगों के मामलों की पुन: जांच की संभावना का मूल्यांकन किया था, जिन्हें सभी आरोपी बरी होने के बाद बंद कर दिया गया था। अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप चुकी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गृह मंत्रालय से 2 सप्ताह के भीतर एसआईटी की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर एक स्थिति रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कोर्ट का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए कहा कि 498 मामलों को एक ही एफआईआर में जोड़ दिया गया। आईओ ने शुरू में उनकी जांच की। कोर्ट को लगा कि इसे केवल दिल्ली तक ही सीमित रखा गया, लेकिन अन्य राज्यों के बारे में कुछ नहीं किया गया। बोकारो, कानपुर आदि के उदाहरण भी दिए गए, लेकिन उनका कुछ भी नहीं हुआ। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह सभी पहलुओं पर विचार करेगी। बता दें कि साल 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी। उसके बाद दिल्ली में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी और सिख समुदाय के लोगों निशाना बनाया गया था। 40 साल बाद इस घटना को लकेर कई बड़े मोड़ आए हैं। नानावटी आयोग की रिपोर्ट कहा गया था कि दिल्ली में कुल 587 प्राथमिकी दर्ज की गई थी और इसमें 2,733 लोगों की मौत हुई थी। पुलिस ने करीब 240 मामलों को *अज्ञात* बताया था और उसे बंद कर दिया था, जबकि 250 मामलों में लोगों को कोर्ट ने बरी कर दिया था। वहीं, सीबीआई ने तीन लोगों की हत्या के मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

संसद अनिश्चितकाल के ...

ने संसद में कल हुई धक्का मुक्की घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा अध्यक्ष ने संसद में अनुशासन बनाए रखने को लेकर एक नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि संसद के इस सत्र में 26 दिनों में लोकसभा की 20 और राज्यसभा की 19 बैठकें हुईं। लोकसभा और राज्यसभा में क्रमश: 4 और 3 विधेयक पारित किए गए। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आज लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच एक देश-एक चुनाव से जुड़ा 129वां संविधान संशोधन विधेयक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे शुरू होते ही विपक्ष ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मुद्दे पर शोर-शराबा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच केंद्रीय कानूनमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान संशोधन विधेयक को संसद की संयुक्त कार्य समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा। हंगामे के बीच प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर सदन की अनुमति प्रदान की गई। जेपीसी में 39 सदस्य हैं, जिनमें से 27 सदस्य लोकसभा और 12 राज्यसभा से हैं। वहीं राज्यसभा भी आज अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। शुक्रवार को सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। सदन की कार्यवाही को पहले दोपहर 12 बजे तक और बाद में दिनभर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 12 बजे कार्यवाही शुरू होने पर *एक राष्ट्र एक चुनाव* के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के लिए राज्यसभा के 12 सांसद को नामित किया गया। अठारहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र के अंतिम दिन आज लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। 25 नवंबर से शुरू हुए सत्र में 20 बैठकें हुईं और 62 घंटे कामकाज हुआ। लोक सभा की 20 बैठकें हुईं जो लगभग 62 घंटे तक चलीं। अठारहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र के दौरान उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा 13 दिसंबर को शुरू हुई और 14 दिसंबर को समाप्त हुई। सत्र के दौरान पांच सरकारी विधेयक पेश किए गए और चार विधेयक पारित किए गए। इसके अलावा शून्य काल के दौरान 61 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए और सदस्यों द्वारा अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए। नियम 377 के अधीन कुल 397 मामले उठाए गए। 28 नवंबर को दो नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। शुक्रवार को सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि इस सत्र की उत्पादकता मात्र 40.03 प्रतिशत है, जिसमें केवल 43 घंटे और 27 मिनट ही प्रभावी कामकाज हुआ। इस सत्र में तेल क्षेत्र संशोधन विधेयक और बॉयलर्स विधेयक 2024 पारित किया गया और भारत-चीन संबंधों पर विदेश मंत्री का बयान हुआ।

ताइवान के सांसदों ...

हो रहा है। ताइवान की सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के सांसदों ने गुरुवार रात संसद में धोवा बोल दिया। सांसदों ने खिड़कियां तोड़ डाली। सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी पर कब्जा भी कर लिया। दरअसल, नेशनलिस्ट पार्टी की ओर से तीन विधेयक पेश किए जा रहे हैं। विपक्ष ने इन तीनों विधेयक पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। विपक्ष का कहना है कि सरकार संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। अगर ये तीन विधेयक पारित हो जाती है तो देश की अदालत पंगु हो जाएगी। अदालत सरकार के खिलाफ फैसले नहीं ले पाएगी। वहीं, राज्यों से मिला टैक्स का ज्यादातर हिस्सा केंद्र के कब्जे में चला जाएगा। विपक्ष के एक नेता ने जानकारी दी कि विधेयक पर चर्चा हुई थी, लेकिन पार्टियों के बीच मतभेद दूर नहीं हुए थे।

हिंदुओं पर हमले ...

दुर्दशा को उजागर करता रहता है। सरकार ने बांग्लादेश सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया है। भारत को उम्मीद है कि ढाका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। नौ दिसंबर, 2024 को विदेश सचिव की बांग्लादेश यात्रा के दौरान भी यही बात दोहराई गई थी। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि ढाका में भारतीय उच्चायोग बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों से संबंधित स्थिति पर नजर रख रहा है। अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिसके बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे। हसीना के भारत में शरण लेने के कुछ दिनों बाद ही नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस सत्ता में आए। वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में नेतृत्व करते हैं। हिंदुओं पर हमलों और हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर हाल के हफ्तों में दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो गए।

हरियाणा के पूर्व ...

संस्कार की तैयारी कर रहे हैं। चौटाला परिवार के कई सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं, हालांकि सभी सदस्य इनेलो और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के बीच विभाजित हैं। ओम प्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय, भिवानी के पूर्व सांसद और तीन बार के विधायक (दो बार राजस्थान और एक बार हरियाणा) को जेबीटी शिक्षक भर्ती मामले में भ्रष्टाचार के आरोप में उनके पिता के साथ दोषी ठहराया गया था। इनेलो ने पिछली बार 2005 में हरियाणा पर शासन किया था, लेकिन इस बरस कांग्रेस ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। जिसके बाद भूपिंदर सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा के मनोहर लाल खट्टर 2014 के चुनावों में नए सीएम के रूप में हरियाणा की कमान संभाली।

मिड डे मील में ...

थे। शुक्रवार को भी मेनू के अनुसार भोजन नहीं मिलने और अंडा नहीं दिए जाने से बच्चे आक्रोशित हो गए और सड़क पर उतर गए। वैसा फील्ड के पास में महेशखूंट-अगुवानी पथ को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर मड़ैया सहायक थानाध्यक्ष धर्मराज पाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को काफी देर तक समझाया बुझाया। छात्राओं का कहना था कि पिछले कई दिनों से उसे मेनू के अनुसार भोजन नहीं दिया जा रहा है। शुक्रवार को अंडा भी नहीं मिला। अंत में सहायक थानाध्यक्ष के साथ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शिव यादव ने काफी देर तक समझाया बुझाया उसके बाद छात्र-छात्रा सड़क से हटे।

भारत पर जन्म लेने ...

भी तभी फलीभूत होगा, जब हम अपनी सनातन संस्कृति के अनुरूप आचरण करेंगे। यह ओजस्वी विचार जगदगुरू शंकराचार्य, भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ के ने इंदौर के बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम में चल रहे 57वें अभा अखंड वेदांत संत सम्मेलन में शुक्रवार को धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत भूमि की पहचान धर्म से है, धन से नहीं। विश्व में अब क्रांति का नेतृत्व भारत ही करेगा। आज पूरी दुनिया में वेदांत और भारतीय सनातन संस्कृति से जुड़े संतों की वाणी गूंज रही है। वेद -वेदांत और धर्म -संस्कृति हमारी जीवन शैली का अनिवार्य हिस्सा है। सम्मेलन में आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ.स्वामी चेतन स्वरूप, हंसदास मंठ के महामंडलेश्वर महंत रामचरणदास महाराज, पं. पवनदास महाराज, रतलाम के महामंडलेश्वर स्वामी देवस्वरूप, हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश्वरानंद, चौबारा जागीर के संत नारायणनानंद, साध्वी अर्चना दुबे, डाकोर के वेदांताचार्य स्वामी देवकीनंदनदास, हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती, सोनकच्छ से आए संत लवचंद्र दास, उज्जैन स्वामी वितरागानंद एवं संत राजानंद ने भी अपने औजस्वी विचार व्यक्त किए।

तेजपुर में *विकास के 12 दिन*
मंत्री पीयूष हजारिका ने किया स्कूटर साइकिल और नकद राशि का किया वितरण

शोणितपुर (हिंस)। असम सरकार के राज्यव्यापी कार्यक्रम *विकास के 12 दिन* के मद्देनजर आज तेजपुर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम तेजपुर के कॉलेजिएट हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में आयोजित हुआ, जिसमें राज्य के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने शोणितपुर जिले के छात्रों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए। मंत्री ने प्रज्ञान भारती योजना के तहत डॉ. बाणीकांत काकती मेधा पुरस्कार के अंतर्गत शोणितपुर जिले के 1,641 छात्रों को स्कूटर वितरित किए। इन छात्रों ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक (लड़के) और 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक (लड़कियां) प्राप्त किए थे। साथ ही, हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले 737 छात्रों को आनंदराम बरुवा पुरस्कार के तहत 12,500 नकद राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। इसके अलावा, मुख्यमंत्री की विशेष योजना के तहत, सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9 में पढ़ने वाली 8,865 छात्रों को साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में शोणितपुर जिला आयुक्त अंकुर भाराली ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि मंत्री पीयूष हजारिका ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज वितरित किए गए प्रोत्साहन पुरस्कार और योजनाएं मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री की निजूट मोइना योजना के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी छात्रा की शिक्षा बाधित न हो। मंत्री हजारिका ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सशक्त स्वास्थ्य और शिक्षा के बिना कोई भी समाज या जाति प्रगति नहीं कर सकती। मंत्री ने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अपने भाषण में उन्होंने मुख्यमंत्री की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे अरुणोदय, माइक्रोफाइनेंस ऋण माफी योजना और मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान का भी उल्लेख किया, जो राज्य के आम नागरिकों के उत्थान के लिए शुरू की गई हैं।

गुवाहाटी में कांग्रेस के जनता भवन घेराव को पुलिस ने किया विफल
अध्यक्ष भूपेन बोरा सहित कई नेताओं को पुलिस ने लिया हिरासत में

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने आज गुवाहाटी में एक बड़े विरोध-प्रदर्शन का आयोजन किया। कांग्रेस के *जनता भवन घेराव* कार्यक्रम में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूपेन बोरा के नेतृत्व में और युवा कांग्रेस के सहयोग से कांग्रेस ने यह विरोध-प्रदर्शन किया। दिसपुर स्थित मानवेंद्र शर्मा भवन की ओर बढ़ते प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। इस दौरान, भूपेन बोरा, पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा और कई वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में निकले इस विरोध मार्च को पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए रोकने की कोशिश की। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के अवरोध को तोड़कर सचिवालय (जनता भवन) की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एपीसीसी के अध्यक्ष भूपेन बोरा, पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा, सोशल मीडिया प्रमुख रातुल कलिता और विधायक दिगंत बर्मन सहित कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, भूपेन बोरा को काहिलीपाड़ा स्थित 10वीं असम पुलिस बटालियन में रखा गया, जबकि रिपुन बोरा और अन्य नेताओं को बशिष्ठ थाने ले जाया गया। कांग्रेस ने पुलिस की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ बताया। गौरतलब है कि बुधवार को कांग्रेस के द्वारा राजभवन घेराव कार्यक्रम में प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई धक्का-मुक्की में युवा अधिवक्ता एवं कांग्रेस नेता मृदुल इस्लाम की जान चली गई थी। वह पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृदुल इस्लाम कांग्रेस के कानूनी प्रकोष्ठ के सदस्य थे।

डिमोरिया में मुस्लिम परिवार ने अपनाया हिंदू धर्म

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिलांतर्गत डिमोरिया में एक मुस्लिम परिवार ने हिंदू धर्म अपना लिया। सोनापुर के कचुतली के हाफिज अली अब राहुल बोड़ो के रूप में जाने जाएंगे, जबकि उनकी पत्नी रिजवाना बेगम ने अपना नाम बदलकर भूमिका बोड़ो रख लिया है। कचुतली में हुए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान चर्चा में आए इस मुस्लिम परिवार ने वैदिक रीति-रिवाज से हिंदू धर्म अपनाया। सोनापुर के एलेंगा स्थित हरे कृष्ण मंदिर में पुरोहित के मंत्रोच्चारण और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच परिवार ने हिंदू धर्म स्वीकार किया। डिगारू नदी के तट पर मुंडन और प्रायश्चित की विधि पूरी करने के बाद, एलेंगा के हरे कृष्ण मंदिर में हवन-यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से दंपति ने हिंदू धर्म ग्रहण किया। इस बीच, डिमोरिया की विश्व हिंदू परिषद ने जनजातीय क्षेत्रों में कुछ लोगों के ईसाई धर्म में परिवर्तित होने पर अपनी चिंता व्यक्त की है। विशेष रूप से असम-मेघालय सीमा से सटे कुछ गांवों में जनजातीय लोगों द्वारा अपने मूल धर्म को त्यागकर ईसाई धर्म अपनाने की घटनाओं पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। डिमोरिया में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं अन्य संगठनों के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस घर वापसी कार्यक्रम के जरिए इस्लाम धर्म को त्यागकर हिंदू धर्म अपनाने वाले परिवार का स्थानीय लोगों ने भव्य रूप से स्वागत किया।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिला के काकजान इलाके में हुई सड़क हादसे में एक वृद्ध व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को काकजन इलाके में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से रूपेश्वर बोरा (55) नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक इलाके में दूध बेचा करता था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

एपीसीसी के विरुद्ध कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) द्वारा राजभवन घेरा रैली और विरोध-प्रदर्शन के कारण उत्पन्न हुई कानून व्यवस्था को लेकर गुवाहाटी पुलिस ने एपीसीसी के विरूद्ध कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया है।
गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने शुक्रवार को बताया कि 18 दिसंबर को एपीसीसी द्वारा किए गए *राजभवन घेरा* विरोध कार्यक्रम और प्रदर्शनकारियों के कुछ कार्यों के कारण उत्पन्न कानून और व्यवस्था की स्थिति का संदर्भ लेते हुए लतासील पुलिस स्टेशन में केस संख्या 130/2024 के तहत एक स्वतः संज्ञान के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है।
इस संबंध में 74/115(2)/121(1)/189(2)/189(3)/191(2)/195(1)/195(2)/223(बी) बीएनएस, 2023 की धारा 94 के साथ असम पुलिस अधिनियम, 2007 और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 3(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है।
ज्ञात हो विरोध-प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे। प्रदर्शन के दौरान एक अधिवक्ता की मौत हो गई थी। जबकि, कई लोग सामान्य रूप से घायल हुए थे, जिसमें कुछ पत्रकार भी शामिल थे।

विद्या भारती अखिल भारतीय पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। विद्या भारती के पूर्व छात्रों की अखिल भारतीय बैठक मालीगांव (सेवा भारती), गुवाहाटी में अदिमगिरी (ट्राइबल हॉस्टल प्रोजेक्ट) में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद महंत, विद्या भारती की अखिल भारतीय पूर्व छात्र परिषद के प्रभारी विजय नड्डा, पूर्वोत्तर क्षेत्र संगठन के मंत्री डॉ. पवन तिवारी, उत्तर असम के संगठन मंत्री नीरव गिलानी, शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती, सचिव जगन्नाथ राजवंशी और विद्या भारती के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। क्षेत्रीय समन्वयक स्वप्ना देवी की देखरेख में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर के पूर्व छात्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिशु शिक्षा समिति उत्तर असम क्षेत्र के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी के अनुसार, इस कार्यक्रम में विद्या भारती के पूर्व छात्र समन्वयक, सह-समन्वयक और विदेशों में काम करने वाले पूर्व छात्रों सहित भारत भर के विभिन्न राज्यों के लगभग 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

पत्रकारों पर हमले के खिलाफ रंगिया में भी विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। पत्रकारों पर हमले के खिलाफ राज्य भर के साथ-साथ रंगिया में भी जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया। मालुम हो कि गत बुधवार को गुवाहाटी में कर्तव्यपालन के दौरान पत्रकारों पर क्रूर हमले के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान रंगिया में ज्यादातर पत्रकारों ने चेहरे पर काला मास्क पहनकर गांधी मंडप के सामने अपना विरोध जताया। वहीं रंगिया के हर पत्रकार-संवाददाताओं ने इस कार्यक्रम को अपना समर्थन दिया है। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पत्रकारों पर पुलिस द्वारा उत्पीड़न का मुकदमा चलाने, दोषी पुलिसकर्मियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। वहीं रंगिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया तथा सचिव फारूख हुसैन ने उक्त घटना की निंदा करते हुए भविष्य मे संवाददाता पत्रकारो की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सरकार तथा पुलिस प्रशासन से मांग की है।

शातिर अपराधी प्रणब रांग्हांग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरचुक पुलिस ने शातिर अपराधी प्रणब रांग्हांग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गोरचुक थाने की एक डब्ल्यूजीपीडी टीम ने वीआईपी रोड पर एक लक्जरी अपार्टमेंट में छापेमारी के दौरान शातिर अपराधी बैठालांग्सू के प्रणब रांग्हांग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी कई बाइक चोरी के मामलों में शामिल बताया गया है। प्रणब का काफी करीबी एक अन्य बाइक चोर पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। लग्जरी कारों में घूमते हुए आरोपी ने खुद को एक बिजनेसमैन बताता था।

बोईटामारी में चार हजार नशीली गोलियां जब्त

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के बोईटामारी क्षेत्र में चार हजार नशीली गोलियां जब्त की गईं। पुलिस सूत्रों द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह गोलियां स्विफ्ट डिजायर (एएस- 01 एफएस- 6133) से बरामद की गईं। वाहन धुबड़ी से काबाइटारी की ओर जा रहा था।

गुवाहाटी नगर निगम की पहल पर स्वच्छता अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने शहर की सफाई के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। *गुवाहाटी स्वच्छता अभियान* नामक इस विशेष कार्यक्रम के तहत शहर के हर कोने को साफ-सुथरा और स्वच्छ बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल के तहत गुवाहाटी के 60 वार्डों में चरणबद्ध तरीके से सफाई अभियान शुरू किया गया है। गुवाहाटी के कुल 6 डिविजनों में 37 टीमें एक साथ इस कार्य में जुटी हुई हैं। तीन महीने तक चलने वाले इस बड़े अभियान के जरिए शहर की सभी सड़कों और गलियों को साफ किया जाएगा। नगर निगम का उद्देश्य गुवाहाटी को एक आदर्श स्वच्छ शहर में बदलना है। यह कार्यक्रम केवल एक पहल नहीं है, बल्कि यह शहर के निवासियों के लिए एक नई दिशा है। शहर के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों, जैसे जलुकबाड़ी, मालीगांव और भरालुमुख में इस अभियान को बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। गुवाहाटी नगर निगम को उम्मीद है कि यह पहल शहर की सुंदरता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगी। नगर निगम के 1 नंबर डिविजन के कार्यकारी अभियंता दीपक तालुकदार ने नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है। उनके अनुसार, केवल निगम की पहल ही नहीं, बल्कि नागरिकों की जागरूकता और सहयोग भी शहर को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार का सामूहिक प्रयास गुवाहाटी को एक स्वच्छ शहर में बदलने के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा। अगले वर्ष 15 मार्च तक यह *गुवाहाटी स्वच्छता अभियान* जारी रहेगा। यह दीर्घकालिक योजना शहर की सफाई के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा। नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना और शहर को स्वच्छ रखने की आदत विकसित करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। गुवाहाटी नगर निगम की इस पहल ने पहले ही शहरवासियों में नई उम्मीदें जगा दी हैं। यदि यह कार्यक्रम सफल होता है, तो गुवाहाटी न केवल एक स्वच्छ शहर के रूप में, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल के रूप में भी पहचाना जाएगा।

पांच हैंडग्रेनेड एवं पांच डेटोनेटर बरामद

शोणितपुर(हिंस)। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली इलाके से पुलिस ने विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक देवाशीष कायस्थ के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने ढेकियाजुली के बातासीपुर उदांश्री गांव के पास रबड़ के खेत से पुलिस ने विस्फोटक बरामद किया है। विस्फोटक को प्लास्टिक में भरकर जमीन में गड्ढा खोदकर छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने मौके से पांच हैंड ग्रेनेड और 5 डेटोनेटर बरामद किया है। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

होजाई में मंत्री नंदिता गार्लोसा की उपस्थिति में छात्रों में वितरित किए गए पुरस्कार

होजाई (हिंस)। असम सरकार द्वारा राज्य के समग्र विकास और नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से शुरू की गई *विकास के 12 दिन* नामक कार्यक्रम होजाई जिले में भी लागू किया गया। इस कार्यक्रम के तहत, होजाई जिला प्रशासन ने श्रीमंत शंकरदेव नगर में खेल और युवा कल्याण विभाग की मंत्री नंदिता गार्लोसा की उपस्थिति में डॉ. बाणीकांत काकोती मेधा पुरस्कार के तहत जिले के 1,960 छात्रों को स्कूटर वितरित किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री की विशेष योजना के तहत, जिले के कक्षा 9वीं के 7,209 छात्रों को साइकिल और आनंदराम बरुवा पुरस्कार के तहत 693 छात्रों को डीबीटी के माध्यम से नकद धनराशि प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला आयुक्त विद्युत विकास भगवती, लमडिंग और होजाई निर्वाचन क्षेत्रों के विधायक रामकृष्ण घोष और लमडिंग के विधायक शिबु मिश्रा भी मौजूद रहे।

दो शातिर महिला ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की आजरा थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान दो महिला ड्रग्स तस्कर को भारी मात्रा में हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एसीपी अजारा ने एक संयुक्त ऑपरेशन का नेतृत्व किया। जिसमें एसआई (पी) प्रद्युम्न कलिता और गोरचुक पीएस के एसआई परिमल सरकार और भारलुमुख पीएस की एक टीम शामिल थी। डीसीपी डब्ल्यूजीपीडी ऑपरेशन के दौरान दो महिलाओं को पकड़ा गया। दोनों महिलाओं की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन से भरे 5 साबुनदानी जब्त किए गए। पकड़ी गई ड्रग्स तस्करों की पहचान रीना बेगम (48, दिघलीपुखुरी) और सुभा देवी (53, वशिष्ठ) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी सुभा देवी की निशानदेही पर पुलिस ने लोखरा, नामघर पथ स्थित किराये के घर से संदिग्ध हेरोइन से भरी 5 अन्य साबुनदानी को जब्त किया।

महाकुंभ में तीर्थयात्रियों के लिए पूसीरे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। प्रयागराज के वर्ष 2025 के महाकुंभ मेले के दौरान तीर्थयात्रियों की अनुमानित भारी भीड़ को सुविधा प्रदान करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने कामाख्या के साथ-साथ नाहरलगुन स्टेशनों से टूंडला स्टेशन तक दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। ये स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में चार-चार फेरों के लिए चलेंगी। यह आगामी वर्ष के प्रयागराज महाकुंभ में शामिल होने वाले इच्छुक श्रद्धालुओं और आगंतुकों को इस शीतकालीन मौसम में आरामपूर्वक यात्रा करने में सुविधा प्रदान करेगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि 9 एवं 25 जनवरी, 2025 और 8 एवं 22 फरवरी, 2025 को स्पेशल ट्रेन संख्या 05611 (कामाख्या-टूंडला) कामाख्या से 05:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन टूंडला 19:20 बजे पहुंचेगी। वापसी में, 11 एवं 27 जनवरी, 2025 और 10 एवं 24 फरवरी, 2025 को ट्रेन संख्या 05612 (टूंडला- कामाख्या) टूंडला से 03:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन कामाख्या 17:45 बजे पहुंचेगी। अपनी दोनों तरफ की यात्रा के दौरान, स्पेशल ट्रेन रंगिया, न्यू बंगाईगांव, न्यू कोचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, मालदा टाउन, भागलपुर, पटना, प्रयागराज आदि रेलवे स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इसी प्रकार, 9 एवं 25 जनवरी, 2025 तथा 8 एवं 22 फरवरी, 2025 को स्पेशल ट्रेन संख्या 05811 (नाहरलगुन-टूंडला) नाहरलगुन से 14:30 बजे प्रस्थान कर यात्रा के तीसरे दिन टूंडला 06:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में, 11 एवं 27 जनवरी, 2025 तथा 10 एवं 24 फरवरी, 2025 को ट्रेन संख्या 05812 (टूंडला- नाहरलगुन) टूंडला से 11:20 बजे प्रस्थान कर यात्रा के तीसरे दिन कामाख्या 05:50 बजे पहुंचेगी। अपनी दोनों तरफ की यात्रा के दौरान, स्पेशल ट्रेन रंगापाड़ा नॉर्थ, रंगिया, न्यू बंगाईगांव, न्यू कोचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, बरौनी, दानापुर, प्रयागराज आदि रेलवे स्टेशनों से होकर गुजरेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों में क्रमशः 22 और 21 कोच होंगे, जिनमें एसी क्लास, स्लीपर क्लास और जनरल सीटिंग कोच शामिल हैं। पूसीरे के इस कदम से महाकुंभ मेला का दर्शन करने के लिए यात्रा की योजना बनाने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। ये स्पेशल ट्रेनें विभिन्न स्थानों से तीर्थयात्रियों की उनके संबंधित गंतव्यों तक वापसी यात्रा को भी सुविधाजनक बनाएगी।

बंगाईगांव में श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बंगाईगांव। बंगाईगांव में महिलाओं की धार्मिक संगठन बालाजी महिला मंडल के तत्वाधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन वृहस्पतिवार को भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। कथा के प्रारंभ में जजमान अनु-संतोष अग्रवाल, दुर्गा- सत्यनारायण तापड़िया, मैना हरलालका, रेनू-रोहित मित्तल, शोभा-संजय बजाज ने व्यास पीठ की पूजा अर्चना की एवं गुरुदेव के माल्यार्पण के बाद कथा प्रारंभ हुई। ज्ञात हो कि हरिद्वार से पधारे कथा वाचक भागवत भास्कर सुधाकर जी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी से कथा का सुंदर वर्णन कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को श्री कृष्ण जन्म बहुत धूमधाम से मनाया गया। कृष्ण बासुदेव की मनमोहक झांकि प्रस्तुत की गई। इस उपलक्ष में कथावाचक ने एक से बढ़कर एक भजन गाए जिससे कि उपस्थित सभी श्रोता नाचने झूमने को मजबूर हो गए। इसके पहले वामन अवतार की भी एक सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। कथा के पांचवें दिन गोवर्धन पर्वत की सुंदर झांकी बनाई गई एवं छप्पन भोग लगाया गया। कथावाचक सुधाकर महाराज जी के श्री मुख से सुंदर कथा श्रवन कर श्रोता मंत्र मुक्त हो गए। शनिवार को रुक्मणी विवाह का प्रसंग रहेगा तथा रविवार को कृष्ण सुदामा मिलन के प्रसंग के साथ सुंदर झांकी प्रस्तुत की जाएगी तथा रविवार को ही हवन के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति की जाएगी। बालाजी महिला मंडल ने सभी धर्मीनुरागी भक्तों से सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

संपादकीय

'अंबेडकर' एक सियासी फैशन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बयान दे दिया कि अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर कहना अब एक राजनीतिक फैशन बन गया है। इस बयान से कुछ हद तक हम भी इत्तफाक रखते हैं, लेकिन गृहमंत्री ने यह भी कहा कि यदि इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग ही मिल जाता।' बेशक बाद का कथन आपत्तिजनक है। संसद में ऐसे कथन 'असंसदीय' माने जाते रहे हैं। दरअसल बयान से न तो बाबा अंबेडकर का अपमान हुआ है और न ही किसी का सम्मान हुआ है। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने गृहमंत्री का इस्तीफा मांगा और देश से माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी आग्रह किया कि अमित शाह को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ही पलटवार कर सियासत को अलग दिशा दी। प्रधानमंत्री के बयान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखने में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के अल्पकाल के बाद ही उन्हें एहसास हो गया था कि संविधान गलत हाथों में चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्यसभा में ऐसा बयान दिया था, जिसे हम दोहराना नहीं चाहते। उस बयान के निहितार्थ ये थे कि बाबा को संविधान तैयार करने का अफसोस, उनके भीतर, था। लेकिन उन्होंने संविधान के जरिए दलितों, वंचितों, पिछड़ों, आदिवासियों आदि के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था की और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं से लडऩे की जो क्षमता दी, उसके मद्देनजर ये वर्ग बाबा को 'महामानव' और 'भगवान' के समान ही मानते हैं। लिहाजा अंबेडकर के खिलाफ जो सियासत खेली जाती है या विवादास्पद बयान दिए जाते हैं, तो वे हरकतें इन तबकों को असहनीय लगती हैं। अंबेडकर से भाजपा (अथवा जनसंघ) के राजनीतिक सरोकार बेहद कम रहे हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू ने उन्हें देश की प्रथम राष्ट्रीय सरकार में कानून मंत्री बनाया था। उसी सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। नेहरू और इन दोनों बौद्धिक नेताओं के बीच कई विरोधाभास थे। वे नेहरूवादी नीतियों से सहमत भी नहीं थे, नतीजतन दोनों ने मंत्री पद से इस्तीफे दिए। कांग्रेस में अंबेडकर की राजनीति के विरोध की शुरुआत यहीं से होती है। श्यामा प्रसाद ने 'जनसंघ' पार्टी की स्थापना की, तो अंबेडकर ने डॉ. राममनोहर लोहिया के साथ मिल कर 'सामाजिक न्याय' की राजनीति का सूत्रपात किया। उन्हें हिंदूवादी राजनीति का भी कुछ समर्थन मिला। नेहरू ऐसी सियासत के खिलाफ थे, नतीजतन उन्होंने भरपूर प्रचार और प्रयास कर अंबेडकर को दो बार लोकसभा चुनाव हराया। उन पराजयों पर नेहरू बेहद खुश थे। उन्होंने ही तब की हिंदूवादी राजनीति को 'सांप्रदायिक' करार दिया था। ये बातें नेहरू के तत्कालीन पत्रों में स्पष्ट कही गई थीं। कांग्रेस का अंबेडकर-विरोध यहां से घनीभूत होना शुरू और 6 दिसंबर, 1956 को बाबा के निधन तक जारी रहा। प्रधानमंत्री नेहरू ने 1955 में खुद को 'भारत-रत्न' सम्मान से नवाज लिया, लेकिन देश के संविधान के रचनाकार अंबेडकर को इस लायक नहीं समझा। उसके बाद कांग्रेस की जितनी भी सरकारें आईं, उन्होंने बाबा अंबेडकर को 'भारत-रत्न' नहीं समझा। अंततः 1990 में वीपी सिंह सरकार ने, जिसे भाजपा और वामदलों का भी समर्थन था, बाबा को इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा। हम आज उस इतिहास को बार-बार दोहराने के पक्ष में नहीं हैं। हम ऐसा कई बार कह भी चुके हैं, लेकिन देश की शीर्ष राजनीति ही यह लीक पीट रही है, लिहाजा अतीत का विश्लेषण भी प्रासंगिक लगता है। बहरहाल, अंबेडकर के सियासी अनुयायी ढोंगी हैं, क्योंकि उन्हें बाबा के जीवन और दर्शन से कोई सरोकार नहीं है, लिहाजा सियासत एक फैशन ही है। उनके नाम पर सियासत नहीं की जानी चाहिए।

उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने गृहमंत्री का इस्तीफा मांगा और देश से माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी आग्रह किया कि अमित शाह को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ही पलटवार कर सियासत को अलग दिशा दी। प्रधानमंत्री के बयान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखने में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के अल्पकाल के बाद ही उन्हें एहसास हो गया था कि संविधान गलत हाथों में चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्यसभा में ऐसा बयान दिया था, जिसे हम दोहराना नहीं चाहते। उस बयान के निहितार्थ ये थे कि बाबा को संविधान तैयार करने का अफसोस, उनके भीतर, था।

प्रियंका गांधी अपने कन्धे पर 'फिलीस्तीन की आजादी' लिखा बैग लेकर संसद में जाए तो फिलीस्तीन आजाद हो सकता है

थैले में फिलीस्तीन की आजादी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

प्रियंका गांधी का प्रश्न है, उसको शायद किसी ने बता दिया होगा कि आजकल देश में प्रमुख मुद्दा फिलीस्तीन की आजादी का है। यदि कांग्रेस फिलीस्तीन की आजादी के पक्ष में खड़ी हो जाती है, तो भारत के लोग कांग्रेस के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। यानी भारत में कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता फिलीस्तीन की आजादी में से होकर गुजरता है। लेकिन असली मसला तो यह था कि कांग्रेस या भारत की फिलीस्तीन को आजादी दिलवाने में क्या भूमिका हो सकती है? आजादी प्राप्त करने का तरीका क्या है? सोनिया गांधी परिवार के लिए गणित के इस कठिन प्रश्न का उत्तर पा लेना जरूरी था।

गांधी नेहरु परिवार लम्बे अरसे से राजनीति में सक्रिय है। लेकिन यह शायद पहली बार है कि लगभग सारा परिवार संसद में उपस्थित है। सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं, उनका बेटा राहुल गांधी और उनकी बेटी प्रियंका गांधी लोकसभा की सदस्य हैं। मोती लाल नेहरु से राजनीति शुरू करने वाला यह परिवार सोनिया गांधी तक पहुंचते-पहुंचते देश की राजनीति में तो बना हुआ है, लेकिन भारतीय संस्कृति, उसके इतिहास व समाजशास्त्र से बुरी तरह कट चुका है। इसमें परिवार की इस पीढ़ी का दोष नहीं है। सोनिया गांधी से इस प्रकार की आशा भी नहीं करनी चाहिए। जहां तक उनके बेटे और बेटी का प्रश्न है, वे छोटी उम्र में ही पिता के साये से मरहूम हो गए थे। इसलिए उन पर माता का ही प्रभाव पड़ सकता था। यह प्रभाव पड़ा भी। यही कारण है कि राहुल गांधी जलेबियों की फैक्टरियां लगवा कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाने लगे। जहां तक प्रियंका गांधी का प्रश्न है, उसको शायद किसी ने बता दिया होगा कि आजकल देश में प्रमुख मुद्दा फिलीस्तीन की आजादी का है। यदि कांग्रेस फिलीस्तीन की आजादी के पक्ष में खड़ी हो जाती है, तो भारत के लोग कांग्रेस के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। यानी भारत में कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता फिलीस्तीन की आजादी में से होकर गुजरता है। लेकिन असली मसला तो यह था कि कांग्रेस या भारत की फिलीस्तीन को आजादी दिलवाने में क्या भूमिका हो सकती है? आजादी प्राप्त करने का तरीका क्या है? सोनिया गांधी परिवार के लिए गणित के इस कठिन प्रश्न का उत्तर पा लेना जरूरी था। अब इस कठिन प्रश्न का उत्तर कांग्रेस के लिहाज से एक ही हो सकता था कि प्रियंका गांधी अपने कन्धे पर 'फिलीस्तीन की आजादी' लिखा बैग लेकर संसद में जाए तो फिलीस्तीन आजाद हो सकता है। फिलीस्तीनी आजादी से प्रसन्न होकर भारत में कांग्रेस की सत्ता वापसी हो सकती है। दूसरे दिन किसी ने बता दिया कि 'फिलीस्तीन की आजादी' भारत का इश्यू नहीं है। यहां तो सत्ता वापसी का रास्ता 'बांग्लादेश' के हिंदू का मसला उठाने से बन सकता है। तब दूसरे दिन प्रियंका गांधी अपने पर्स पर बांग्लादेश लिखवा लाईं। लेकिन चिंता तो है ही। समय निकलता जा रहा है और सत्ता वापस आने के आसार दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहे। खुदा का शुक्र है कि सोनिया जी के दोनों बच्चे अंग्रेजी पढ़े लिखे हैं। पुराने 'ब्रिटिश मास्टर' की किताबों में दिन-रात खपते हैं। आखिर यूरोप के लोग दो सौ साल हिंदुस्तान पर राज कैसे कर गए? इस मामले में सोनिया गांधी भी कुछ न कुछ बताती ही होंगी या कम से कम माथा तो खपाता ही होंगी। तब पता चलता है कि वे भारत के लोगों में फूट डालते थे और राज करते थे। तभी से पूरा 'राज परिवार' भारत में हर हालत में जाति के आधार पर जनगणना करवाने को लेकर छटपटा रहा है। प्रतीक्षा करनी चाहिए, अब प्रियंका गांधी 'जाति गणना करवाएं' वाला बैग लेकर संसद में कब आती हैं। सत्ता वापसी का एक दूसरा रास्ता भी दिखाई दे रहा है। ईवीएम को लेकर प्रतिदिन मातमी धुनें बजाई जाएं। इससे देश के भविष्य का प्रश्न जोड़ा जाए। इसलिए हर रोज कायदे से ईवीएम के तबले पर घंटों रियाज किया जाता है। लेकिन राज परिवार की इन हरकतों से आसपास के राजनीतिक पड़ोसी भी घबराहट में हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तो इस बेमानी शोर शराबे से तंग आकर कह ही दिया कि लगता है आप लोगों से यह हो नहीं पाएगा। ईवीएम का रोना धोना बंद करो, सत्ता प्राप्ति का कोई दूसरा रास्ता तलाशो। लेकिन राज परिवार का यही तो संकट है। सत्ता तक पहुंच पाने का दूसरा रास्ता कहां है, सोनिया-राहुल-प्रियंका ने उस रास्ते की तलाश में मल्लिकार्जुन खडग़े साहिब को आगे कर दिया। वह हाथ में डंडा लेकर अंधेरे में टटोलते हुए एक-एक कदम आगे चलते हैं और राज परिवार उनके पीछे चलता है। दुनिया आशा पर ही टिकी हुई है। वैसे भी खडग़े देसी आदमी हैं, इस देश को बखूबी समझते हैं। कहीं न कहीं तो पहुंचाएंगे ही। परंतु खडग़े भी बेचारा क्या कर सकता है। दुनिया की नजर में तो वह आगे-आगे दिखाई देता है, लेकिन आज्ञा पीछे से राज परिवार ही दे रहा है। कभी दाएं मुड़, कभी बाएं मुड़। इस बुढ़ौती में खडग़े साहिब परेशान हैं। लेकिन हर हालत में इस पुराने राज परिवार के बच्चों को इस देश के तख्त पर बिठाना है। पर बच्चे नटखट हैं। खडग़े की सुनते नहीं, उन पर अपना हुक्म चलाते हैं। कभी सोरोस जार्ज के कन्धों पर सवार होकर चिकोटी काटते हैं और कभी अमेरिका की भारत विरोधी 'डीप सटेट' के अंग संग दिखाई देते हैं। यह डीप सटेट इतना तो समझ ही गई है कि भारत को तोडऩे का जो सामान और पटाखे उसने लम्बे अरसे से तैयार कर रखे थे, अब भारत में उसके माल का असली ग्राहक मिल गया है। इसलिए 'फाइव आईज' से ये पटाखे लेकर राज परिवार के बच्चे हर रोज भारत के आंगन में जलाते हैं और विदेशी षड्यन्त्रों का प्रदूषण फैलाते हैं। किसान को तो रोज समझाया और डराया जा रहा है कि पराली मत जलाओ, इससे प्रदूषण फैलता है। लेकिन यह पुराना राज परिवार विदेशी षड्यन्त्रों का जहरीला धुआं हर रोज फैलाता है। पर इनको कौन समझाए? खडग़े साहिब समझाते तो जरूर होंगे। पर बेचारे क्या करें? लाचार हैं। इस उम्र में राज परिवार की सेवा से किनारा भी तो नहीं कर सकते। अब राज परिवार पर एक नया भूत चढ़ बैठा है। हिंदू को छोड़ो, मुसलमान को पकड़ लो। वही इस भवसागर से पार लगाएगा और सत्ता के किनारे तक पहुंचा देगा। दूर पार के लोगों ने समझाया भी यहां हिन्दुस्तान में मुसलमान जैसा कुछ नहीं है। ये सब इसी देश के लोग हैं, इटली या अरब से आए हुए लोग नहीं हैं।

दृष्टि कोण

अनहद में समाया जाकिर हुसैन का तबला

विश्वविख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का इस भौतिक जगत से ब्रह्म नाद में समा जाना पूरी दुनिया में शून्य पैदा कर गया। दुनिया भर के संचार माध्यम, रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, न्यूज चैनल, इंस्टाग्राम, ट्विटर, फेसबुक तथा वाट्सएप शोक संदेश तथा उस्ताद जाकिर हुसैन के किस्सों तथा तबला वादन के क्लिप्स से भर गए। नौ मार्च उन्नीस सौ इक्यावन को पैदा हुआ यह महान भारतीय कलाकार अपनी सुर और लय की सांगीतिक यात्रा पूर्ण कर पन्द्रह दिसम्बर दो हजार चौबीस को दुनिया में तबले का धमाल पैदा कर हमेशा के लिए ओझल हो गया। आने वाली पीढियां विश्वास नहीं करेंगी कि भारतीय संगीत का पूरे विश्व में डंका बजाने बारे उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा शख्स भी इस धरती पर अवतरित हुआ था। उनका इस धरा पर अवतरित होना तथा खो जाना अकल्पनीय है। अब दुनिया में तबले पर शिव के डमरू का नाद, शंख की ध्वनि, घोड़े का दौडऩा, दौड़ती रेलगाड़ी की आवाज, झगड़ते हुए पति-पत्नी की गुफ्तगू की ध्वनियां सुनने को नहीं मिलेंगी। संगीत के तराने, घरानों के सबक, महान गुरुओं के किस्से, जीवन के अनुभव, सांगीतिक एवं मानवीय संस्कार, अनुकरणीय उस्ताद की नम्रता और विनम्रता अब देखने को नहीं मिलेगी क्योंकि यह सत्य है और हमें विश्वास करना होगा कि मनुष्यों तथा कलाकारों में श्रेष्ठ उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा अकल्पनीय तबला वादक अब हमारे बीच में नहीं है और वह नाद ब्रह्म की सेवा के लिए अनंत यात्रा पर निकल चुके हैं। ऐसा लग रहा है मानो लय थम सी गई है, सुर घुट सा रहा है तथा संगीत सिसकारियां भर रहा है। यह एक ऐसे श्रेष्ठ व्यक्ति की कहानी है जिसे लिखने के लिए जहां शब्द निःशब्द हो जाते हैं तथा गणनाएं शून्य हो जाती हैं, कल्पनाएं बड़ा आकार लेने के कारण उन्हें समेटा नहीं जा सकता तथा केवल अनुभव एवं अनुभूत किया जा सकता है। सौभाग्यशाली हैं वो लोग जिन्होंने उस्ताद जाकिर हुसैन के दर्शन किए हैं और उनका विलक्षण तबला वादन सुना है। एक ही बात मुंह से निकलती थी- वाह उस्ताद वाह, क्या बात है। बालक जाकिर हुसैन ने मात्र बारह वर्ष की आयु से ही व्यावसायिक तबला वादन का जलवा बिखेरना शुरू कर दिया था। उनके पिता अल्ला रक्खा खां साहब ने उनके तबले की तालीम तथा मां बीबी बेगम ने उनकी पढ़ाई पर केन्द्रित किया। उस्ताद जाकिर हुसैन पारिवारिक संस्कारों तथा पिता विश्वप्रसिद्ध पंजाब घराने के तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा खां साहब की कड़ी तालीम तथा देखरेख में आगे बढ़े हैं। तबले को आम आदमी की जिंदगी से जोडऩा तथा सामान्य घटनाओं, सूक्ष्म अनुभूतियों तथा ध्वनियों को तबले पर उतारना उनकी विशेषता रही है। उस्ताद जाकिर हुसैन ने विश्व भर के युवा तबला वादकों में एक खास अंदाज तथा तबला वादन के लिए एक विशेष आकर्षण पैदा किया है। उन्होंने विश्व में एकल तबला वादकों में प्रस्तुति का एक विशेष प्रदर्शन कौशल का अंदाज दिया है। जाकिर हुसैन ने लय-ताल तथा तबले के साथ विश्वभर के पाश्चात्य ताल वादकों के साथ अनेकों प्रयोग किए। तबला वादक होने के साथ वे एक संगीत निर्देशक, प्रयोगधर्मी तथा अभिनेता भी रहे हैं। उनको एक सम्पूर्ण कलाकार तथा श्रेष्ठ, अनुकरणीय एवं उदाहरणीय संगीतज्ञ के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। संगीत के करियर में उन्हें पांच ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जाकिर हुसैन ताउम्र देश-विदेश तथा अन्तरराष्ट्रीय संगीत समारोहों में अपने तबले का कमाल दिखाते रहे। वे दुनिया भर में भारतीय कला तथा संगीत के अग्रदूत थे। भारत सरकार द्वारा सन् 1988 में महज 37 वर्ष की आयु में नागरिक अवार्ड पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण दिया गया तथा 22 मार्च 2023 को भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, अकादमी रत्न पुरस्कार, इंडो-अमेरिकन अवार्ड, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कालीदास सम्मान तथा अनेकों प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इस अनूठे तथा आकर्षक तबला वादक ने दुनिया भर में एक विशेष इज्जत तथा नाम कमाया है जो कि बिरले ही व्यक्ति को नसीब होता है। इतनी बड़ी शख्सियत के जाने पर महमूद रामपुरी का शे'र याद आता है, 'मौत उसी की है करे जिसका जमाना अफसोस/यूं तो दुनिया में सभी आए हैं मरने के लिए'। संगीत की दुनिया में अद्वितीय एवं अकल्पनीय योगदान देने के लिए भारतीय संगीत जगत उन्हें अनंत काल तक याद रखेगा। संगीत का यह सूर्य कभी भी अस्त नहीं हो सकता। संगीत के क्षेत्र में दुनिया में भारत का परचम लहराने के लिए भारतीय संगीत समाज में उस्ताद जाकिर हुसैन को भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' की मांग होने लगी है। निश्चित रूप से ऐसा होना भारत माता के अद्वितीय सपूत का सम्मान होने के साथ-साथ भारतीय कलाओं तथा कलाकारों का सम्मान होगा। संगीत जगत में उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

कुछ अलग

पिघली अवरोध की बर्फ

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है।

देश दुनीया से

संविधान का मर्म समझ अनुकरण की जरूरत

भले ही घोषित उद्देश्य कुछ भी रहा हो पर संसद के दोनों सदनों में भारत के संविधान के संदर्भ में हुई चार दिन की बहस कुल मिलाकर निराश करने वाली ही थी। निश्चित रूप से यह एक ऐसा अवसर था जब हमारे सांसद न केवल संविधान को नये सिरे से समझने की कोशिश के रूप में उपयोग में ला सकते थे, बल्कि देश के सामने एक ऐसी रूप-रेखा भी रख सकते थे जो 'संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' की स्थापना के लिए 'हम भारत के लोगों ने समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर अपने लिए बनाया था। हमारा संविधान नागरिक के अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्तव्यों को भी परिभाषित करता है। 75 साल पहले हमने अपने लिए यह संविधान बनाया था और एक सपना देखा था कि इसके आधार पर हम एक नया भारत बनायेंगे। इसीलिए, यह एक अवसर था जब हम मिल-जुल कर यह आकलन करते कि हमारा यह संविधान, जो विश्व का सबसे वृहद लिखित संविधान है, अब तक अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल रहा है; नागरिक से और राजनेताओं से संविधान जो अपेक्षाएं करता है, उन्हें किस हद तक पूरा किया गया है; और हमें अपने लक्ष्यों तक पहुंचाने में यह संविधान अब तक कितना कुछ कर पाया है। यह अवसर था जब हम देखते कि संविधान में वर्णित सपनों को पूरा करने में हम कितनी दूरी तक पहुंच पाये हैं? वस्तुतः यह आत्म-विश्लेषण का भी अवसर था। अपनी उपलब्धियों और कमियों का ईमानदार आकलन होना चाहिए था। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा कुछ हुआ नहीं। इस संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में जो कुछ हुआ वह कुल- मिलाकर निराश करने वाला ही था। सारी बहस के दौरान कहीं ऐसा नहीं लगा कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष ने इस संदर्भ में कोई विशेष तैयारी की थी। एक-दूसरे पर आरोपों-प्रत्यारोपों का वही सिलसिला इस बार भी दिखा जो दुर्भाग्य से हमारी संसद में होने वाली बहसों की एक पहचान बन चुका है। यह कहना ग़लत होगा कि हमारी संसद में सही सोच वाले और दूसरे की बात को सही ढंग से समझने वाले लोग हैं ही नहीं, पर पता नहीं क्यों हमारे राजनीतिक दल और अधिकांश राजनेता व्यक्तिगत आरोपों-प्रत्यारोपों से ऊपर उठकर कुछ सोचने-कहने के लिए तैयार ही नहीं दिखते। विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाने वाले हमारे संविधान-निर्माताओं ने इसे तैयार करने के लिए हर धारा, हर शब्द पर गहराई और गंभीरता से विचार किया था। संविधान-सभा की सारी कार्रवाई उपलब्ध है। वे सारी बातें और भाषण मौजूद हैं जिनके माध्यम से संविधान के लक्ष्यों को प्राप्त करने की आशाएं बांधी गयी थीं। ऐसा नहीं है कि हमारे संविधान-निर्माताओं में मतभेद नहीं थे। खूब मतभेद थे। पर उन्होंने बड़े ही धैर्य से मतभेदों की कंटीली राहों में विवेक के आधार पर पगडंडियां बनायीं- हमारे लिए एक ऐसी विरासत छोड़ गये जो हमारी राहों को सुगम बना सकती थी। यह अवसर उस विरासत के बारे में विचार करने का था, उन दार्शनिक आधारों को समझने का था जो हमारी विकास-यात्रा के लिए हमारे पूर्वजों ने हमें सौंपे थे। दुर्भाग्य ही है कि संसद में हुई चार दिन की बहस कुछ व्यक्तियों-परिवारों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। लगभग सभी वक्ता वही सब बोले जो वह चुनावी सभाओं में बोलते चले आ रहे हैं। वही सोच, वही शब्दावली। मैं दुहराना चाहता हूं कि यह अवसर आरोपों-प्रत्यारोपों का नहीं, आत्मालोचन का था। संसद में पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए दूसरे की कमीज़ को अधिक मैला साबित करने के बजाय अपनी कमीज़ के दागों को देखने का मौका था यह। यह मौका उन्होंने गंवा दिया। नुकसान उनका नहीं हुआ, नुकसान हुआ है भारत के उस आम नागरिक का जो सब कुछ देखने के बावजूद उम्मीद लगाये बैठा है कि उसके नेता कभी तो सही राह पर आयेंगे। पिछले एक लंबे अरसे से हम यह देख रहे हैं कि हमारी संसद में होने वाली बहस का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सारी बहस व्यक्तियों पर केंद्रित होकर रह जाती है। व्यक्तियों की गलतियों की चर्चा होनी चाहिए, पर यह चर्चा यहीं सिमटनी भी नहीं चाहिए। बात विचारों पर होनी चाहिए। सोचा जाना चाहिए था कि बाबा साहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, मौलाना आज़ाद, पुरुषोत्तम दास टंडन, श्यामाप्रसाद मुखर्जी, अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर जैसे व्यक्तित्वों ने क्या सोचकर हमें एक ऐसा संविधान दिया जिसके कारण पिछले पिचहत्तर साल में हमारा लोकतंत्र सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर के लिए मिसाल बना हुआ है? ऐसा नहीं है कि इस दौरान संविधान के संदर्भ में कोई ग़लती नहीं हुई। आपातकाल निश्चित रूप से एक काले अध्याय के रूप में याद रखा जाना चाहिए– पर यह याद इसलिए नहीं होनी चाहिए कि किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा ग़लत, कहना चाहिए आपराधिक, कदम उठाया था, इस काले अध्याय को याद इसलिए रखा जाना चाहिए ताकि फिर कोई शासक इस तरह का अपराध न कर पाये। संविधान में उचित संशोधन करके इस आशंका को मिटाने की कोशिश की गयी है, पर आवश्यकता नेतृत्व की सोच में संशोधन करने की है। यह याद रखना ज़रूरी है कि हमने संविधान जब बनाया तो देश विभाजन की त्रासदी से गुजर रहा था। सांप्रदायिकता की आग में जलने के बावजूद तब हमारे नेतृत्व ने हमें एक पंथ-निरपेक्ष समाज के निर्माण का संदेश दिया था, हमें बताया था कि समानता का अर्थ यह है कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर एक मानवीय समाज की रचना करके ही हम एक न्यायपूर्ण व्यवस्था को अपना सकते हैं। हमारे नेता आज संविधान को सर्वोपरि मानने की बात तो करते हैं, पर उनकी करनी में वह सब दिखाई नहीं देता जिसकी अपेक्षा हमारा संविधान उनसे करता है। हमें हमारे संविधान-निर्माताओं ने बंधुता का आदर्श दिया था, हम धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर स्वयं को दूसरे से बेहतर स्थापित करने में लगे हैं। संविधान को लागू करने के 75वें साल में हमें अपने संविधान के आमुख में कही बातों को सही अर्थों में समझने की कोशिश करनी चाहिए थी, पर संसद में हुई बहस व्यक्तियों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। विचार और व्यक्ति को अलग करके देखने-समझने का विवेक जैसे हमने खो दिया है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस बहस के दौरान ऐसा कुछ अहसास नहीं होने दिया, जो यह बताता कि हमारे नेता संविधान को सचमुच आदर की दृष्टि से देखते हैं। संविधान को हाथ में लेकर शपथ लेने अथवा संविधान के समक्ष माथा टेकने के नाटक से उबरना होगा हमें। आवश्यकता संविधान की भावना को समझने, उसे जीने, की है।

आप का नजरीया

चर्चा की खोज में तपोवन

कारवां आया मेरे घर तक मगर, बताया गया कि यहीं तक था सफर। अपनी बाउंड्री पर चौके-छक्के मारती हिमाचल की राजनीति के सामने शीतकालीन सत्र की अहमियत सिर्फ कौए की कांव-कावं सरीखी है। यानी सूचनाएं बहुत हैं, लेकिन मुंह पर पट्टी बांधे सवाल मौन हैं। पहले दिन के घटनाक्रम की खोज में तपोवन के बजाय जोरावर सिंह स्टेडियम की ताल पर विपक्ष के आरोप खूब नाचे। यह शक्ति प्रदर्शन था या सरकार के दो साल के सफर का विरोध, कम से कम विपक्ष सदन में तो नहीं था और जो थे, उन्हें प्रश्न काल नहीं मिला। कहां तो शून्य काल को प्रतीक्षारत ध्वनियां आकाशीय अपेक्षाएं कर रही थीं और कहां कट गए प्रश्न इस इंतजार में। सरकार को सदन चलाना था, इसलिए कई महत्त्वाकांक्षी कानूनों में बदलाव की अर्जियां मुकम्मल होती गईं और एक साथ विधेयक पेश हो गए। इन बदलावों में सरकार के बर्ताव में कुछ किफायतें, कुछ सुधार और कुछ वक्त का तकाजा इस्तेमाल किया गया। भर्ती नियमों से अधिकृत कर्मचारी वर्ग की खुली बाहों में वित्तीय अनुशासन का हल्का सा टीका लग रहा है, ताकि कल कोई जिरह पेश हो तो फैसले की जद में केवल नियमित होने की तारीख ही परिभाषित की जा सके। यह इसलिए भी कि हिमाचल में भर्ती नियमों में इतने छेद हैं कि कानूनी पैरवी में सरकारों के हाथ पांव फूल जाते हैं और जब निर्णय आता है तो बजट में उधार का संदूक और खुल जाता है। जनता के दबाव और राधा स्वामी सत्संग ब्यास के भोटा अस्पताल के प्रभाव में लैंड सीलिंग एक्ट की दीवारों को थोड़ा पीछे हटाने की जरूरत ने लैंड सीलिंग एक्ट का नया सीमांकन करने का रास्ता खोजा है। देखना यह है कि यह रहम, मरहम या वहम है कि इसके बाद इस स्तर की नौबत नहीं आएगी या कानून की सीमाओं के भीतर आगे भगदड़ नहीं होगी। सरकारी नौकरी में कामकाज की लाज को पुख्ता करने के लिए आइंदा पब्लिक सर्वेंट की वांछित अरेस्ट से पहले सरकार से ताकीद करनी होगी। कोई भी एजेंसी सीधे हाथ नहीं डाल पाएगी। बहुत शिकायतें करते हैं और सतर्कता विभाग के सबूत अकसर किसी रिश्वत के आरोप पर गर्दन तक पहुंच जाते हैं। सरकारी महकमों की मिट्टी कुरेदती शिकायतें अकसर इतनी पैनी होती हैं कि पब्लिक सर्वेंट को अब सरकार की अनुमति की कुछ तो ढाल मिलेगी। प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से पुलिस एक्ट में बदलाव आने से कांस्टेबल कॉडर अब राज्य स्तरीय नियुक्तियों का पैमाना होगा। कानून व्यवस्था में राज्य कॉडर का अपना एक खास आयाम है और तमाम कैटेगिरी में ऐसी व्यवस्था की जरूरत महसूस की जाती है। बहरहाल सरकार को अपने विधेयक पेश करने की सदन में सहूलियत मिली तो बाहर विपक्ष को अपनी आक्रोश रैली में गूंजने का मौका मिला, लेकिन इन दोनों घटनाक्रमों के बीच जनता के सवाल दूर-दूर से तपोवन तक पहुंच कर भी शिद्दत से दस्तक नहीं दे सके। यहां विपक्ष का काम रोको प्रस्ताव स्वीकार हुआ तो भ्रष्टाचार के आरोपों पर सबूत मांगने की कुश्ती ने इसे पटकनी लगा दी। जाहिर तौर पर विपक्ष सदन के भीतर जिन आरोपों के बलबूते बड़ी बहस करना चाहता था, उसके लिए उसे जोरावर स्टेडियम की मिट्टी काम आ गई। यहां एक मुकाबला नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के बीच भी सदन के बाहर देखा जा सकता है।

ओम प्रकाश चौटाला के डर से अफसरों ने पार्टियों में जाना किया बंद

आपातकाल में जेल में रहने के दौरान भाजपा नेताओं से मजबूत हुए थे संबंध

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में एक नवंबर 1966 से अब तक सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्रियों में ओम प्रकाश चौटाला ऐसे नेता हैं जिनकी गिनती कठोर प्रशासकों में होती है। चौटाला राज में अफसरशाही के किस्से आज भी सचिवालय की गलियों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। ओम प्रकाश चौटाला जब मुख्यमंत्री थे तो उन्हें विपक्ष के एक नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आपके ज्यादातर अधिकारी रात के समय पार्टियों में जाते हैं और शराब के नशे में होते हैं। ऐसे में प्रदेश की कानून-व्यवस्था भगवान भरोसे है। ओम प्रकाश चौटाला को विपक्ष के नेता की यह बात अखर गई। उन्होंने अगले ही दिन सब अधिकारियों को सूचित किया वह किसी भी समय फोन करके किसी प्रोजेक्ट या घटनाक्रम पर अपडेट ले सकते हैं। इसके बाद ओम प्रकाश चौटाला कहीं भी हों रोजाना रात को 11 बजे के बाद जिला उपायुक्त व पुलिस अधीक्षकों को फोन करके अपडेट लेना शुरू कर दिया। जिसके चलते अधिकारी

रात में अपने तकिए के नीचे डायरी रखकर सोते थे। हरियाणा की चौटाला सरकार में रहे एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि चौटाला कि स्मरण शक्ति बहुत तेज थी। वह कुछ भूलते नहीं थे।कई बार रात को फोन करके तीन दिन पहले संगत दर्शन, किसी ग्रामीण द्वारा की गई शिकायत के बारे में पूछ लेते थे, तो अधिकारियों को पसीना आ जाता था। चौटाला के डर से अधिकारियों ने रात की पार्टियों में जाना ही बंद कर दिया था। उन्हें यह भय रहता था कि मुख्यमंत्री किसी भी समय सीधे फोन करके किसी भी घटना या परियोजना का अपडेट ले सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने आपातकाल के दौरान 19 माह कारागार में गुजारा था। इस अवधि के दौरान उनके भाजपा के तत्कालीन नेता स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, उमा भारती, डॉ मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं के साथ अच्छे संबंध बन गए थे, जो बाद में उनके राजनीतिक सफर में काम आए। इंडियन नेशनल लोकदल के नेता ओम प्रकाश चौटाला का जन्म एक जनवरी 1935 को हुआ था। चौटाला का राजनीतिक कौशल इस बात से लगाया जा सकता है कि वह पांच बार हरियाणा के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के साथ ही आठ साल तक नेता प्रतिपक्ष रहे। उन्हें हिंदी, पंजाबी के साथ ही संस्कृत और उर्दू भाषा का भी ज्ञान था। उन्होंने कम शैक्षिक होने के बावजूद 150 देशों की यात्रा का रिकार्ड बनाया।

कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किया : खेल मंत्री गौरव

पलवल (हिंस)। खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा सांसदों के साथ धक्का मुक्की करना निंदनीय है। इस तरह की घटनाएं देश को शर्मसार करती हैं और इससे समाज में भी गलत मैसेज जाएगा। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष को देश से माफी मांगनी चाहिए। खेल मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी कांग्रेस द्वारा संविधान को लेकर गलत बयानबाजी की गई। नेहरू और इंदिरा गांधी ने देश के संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता भारतीय संविधान के आधार पर चलता है और भाजपा पार्टी संविधान की रक्षा करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदा गया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है।

यति नरसिंहानंद एक्स पोस्ट मामले में हाईकोर्ट ने मो. जुबैर की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऑल्ट न्यूज के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी पर 6 जनवरी तक रोक लगा दी है। यह गिरफ्तारी यति नरसिंहानंद के कथित भड़काऊ भाषण के संबंध में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनके पोस्ट को लेकर दर्ज प्राथमिकी को लेकर थी। जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस नलिन कुमार श्रीवास्तव की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी करते हुए कहा कि जुबैर कोई खूंखार अपराधी नहीं है। साथ ही अगली सुनवाई 6 जनवरी तक उसके देश छोड़ने पर रोक लगाते हुए पुलिस के साथ जांच में सहयोग करने की शर्त पर उसे राहत प्रदान की। कोर्ट ने राज्य सरकार को 6 जनवरी तक विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा है। शुक्रवार सुबह 10 बजे से दोपहर करीब 2:20 बजे तक चली सुनवाई के दौरान, उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से हाईकोर्ट के समक्ष कहा गया कि यति नरसिंहानंद के कथित भाषण पर जुबैर द्वारा की गई कई एक्स पोस्ट में आधी अधूरी जानकारी थी और उन्होंने भारत की सम्प्रभुता और अखंडता को नुकसान पहुंचाया है। अपर महाधिवक्ता ने खंडपीठ के समक्ष कहा कि जुबैर की एक्स पोस्ट जिसका उद्देश्य यति नरसिंहानंद के खिला? हिंसा भड़काना था, उसने अलगाववादी गतिविधि की भावना को भी बढ़ावा दिया। ज्ञात हो कि जुबैर पर यति नरसिंहानंद सरस्वती ट्रस्ट की महासचिव उदिता त्यागी की शिकायत के आधार पर धारा 152 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मुकदमा दर्ज की गई। जुबैर ने 3 अक्तूबर को वीडियो पोस्ट किया था। पहले ट्वीट में एक वीडियो था, जिसमें डासना देवी मंदिर के पुजारी यति नरसिंहानंद को पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित भड़काऊ टिप्पणी करते हुए दिखाया गया। उन्होंने यूपी पुलिस को भी टैग किया और पूछा कि यति के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पुरानी वीडियो क्लिप मुसलमानों द्वारा हिंसा भड़काने के इरादे से साझा की गई। जुबैर पर डासना देवी मंडी में यति नरसिंहानंद के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन का भी आरोप लगाया गया। प्राथमिकी को चुनौती देते हुए याची ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अजमेर रोड पर हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा के नजदीक हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया। राठौड़ ने भगवान से हादसे में जान गवाने वाली पुण्यात्माओं को शांति प्रदान करने और शोक संतप्त परिजनों को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की। वहीं ह्दय विदारक इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुखद टैंकर हादसे में संवेदनशीलता दिखाते हुए सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 5 लाख तथा गंभीर घायलों को 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा भी कर दी। वहीं हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए जबकि घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ खोला मोर्चा, पुलिस चौकी में दिया प्रार्थना पत्र

मुकदमा दर्ज करने की मांग, संसद में अमर्यादित व्यवहार व धक्का-मुक्की पर जताई नाराजगी

वाराणसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमर्यादित व्यवहार, भाजपा सांसद को धक्का देने से नाराज कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कचहरी पुलिस चौकी में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र देने के बाद पिछड़ा मोर्चा के काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी ने वैश्विक पटल पर देश को शर्मसार कर दिया है। कांग्रेस अब जब कुछ नहीं कर पा रही है तो संसद भवन में अराजकता पर उतारू हो गई है। उसके धक्केबाज सांसद जो अपनी ओछी हरकतों के लिए पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कल भाजपा के बुजुर्ग आदिवासी सांसद और प्रख्याात समाजसेवी प्रताप सारंगी को जान से मारने का प्रयास किया। कांग्रेस का गांधी परिवार अभी भी तानाशाही वाली प्रवृत्ति से उबर नहीं पाया है। निचले तबके के सामान्य

लोगों से कांग्रेस को नफरत है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी लगातार गाली गलौज और मारपीट वाला आक्रामक रवैया अख्तियार किए थे। जमीन पर गंभीर रूप से घायल पड़े सांसद प्रताप सारंगी को देखकर उन्होंने गजब का अहंकार प्रदर्शित किया। घायल सांसद को देखकर भी उनके अंदर संवेदना नहीं जगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नई नवेली सांसद बनी प्रियंका वाड्रा और अन्य कई कांग्रेसी नेता भी लगातार राहुल के साथ उपद्रव कर रहे थे। हम लोगों ने धक्केबाज राहुल गांधी एवं उनके उद्दंड साथियों के खिलाफ षड्यंत्र करके भाजपा सांसदों को जान से मारने का प्रयास, मारपीट, अराजकता से भय का वातावरण बनाने और नगालैंड से भाजपा की महिला सांसद से अभद्रता करने के विरुद्ध उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज करवानें के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। तहरीर पर चौकी प्रभारी कचहरी गौरव मिश्रा ने कहा कि उचित कार्यवाही की जाएगी।

सुशासन दिवस पर सराहनीय कार्य करने वाले कर्मचारी होंगे पुरस्कृत : अभिषेक मीणा

रेवाड़ी (हिंस)। प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। प्रदेश सरकार की ओर से 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिला में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें। जिसमें सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सुशासन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को उपायुक्त अभिषेक मीणा ने दी। उन्होंने सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जिला सचिवालय स्थित सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक भी की। रेवाड़ी जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा के राजस्व, आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय और नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित

भी किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों को कार्यक्रम से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एडीसी अनुपमा अंजलि, एसडीएम रेवाड़ी सुरेंद्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, सीटीएम प्रीति रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

NO.E.320595/785

RE-ADVERTISEMENT

This is for information to all concerned that the Walk-in-Interview for 2 (two) contractual posts of Hindi Translator-cum-Content Writer held in the office of the Director of Information & Public Relations, Assam, Dispur, Guwahati-06 on 17.12.2024 issued vide this office notification No.E.320595/779 dtd. 25.11.2024 is hereby treated as cancelled as desired candidates have not been qualified.

It is hereby re-advertised the same posts for interested eligible and qualified candidates having valid employment exchange registration card of Assam and fulfilling the norms stated below are invited to appear for a Walk-in-Interview for the following posts purely on temporary and contractual basis. Interested candidates must submit the photocopies of relevant documents and 3 (three) recent self attested passport size photographs with duly filled up Standard Application Format (hard copies) to the Director of Information & Public Relations, Assam, Dispur, Last Gate, Guwahati-06 on or before 04.01.2025. The candidate should report to the Registrar, Directorate of Information & Public Relations, Assam, Dispur, Last Gate, Guwahati-06 for the Walk-in-interview (both viva-voce & practical) on 08.01.2025 from 10.00 AM to 11.00 A.M. The applicant must bring with them the original documents while coming. for the interview. If the interview cannot be completed on 08.01.2025, it will continue on the next working day.

The candidates who have already applied vide this office No. E.320595/779 can also re-apply in fresh if interested.

The engagement period will depend on the basis of requirement and availability of fund.

1. Name of Contractual post : 2 (two) posts of Hind Translator-cum-Content Writer.
2. Job Description : Translation of any matter from Assamese and English into Hindi and vice versa besides proficiency in writing original content in Hindi.
3. Educational qualification :
   a) Minimum educational qualification of the candidate shall be Graduate in any discipline from any University recognised by the Government. Master Degree in Hindi /Praveen/Ratna will be given preference.
   b) The candidate must also possess a minimum 6 months Diploma in Computer application from a recognised Institution/Organisation with thorough knowledge of DTP in Hindi, English & Assamese, Unicode version (Inscript /Hindi traditional).
   c) Candidates having Diploma in Translation Course from English to Hindi and vice versa from any Govt. recognized institution/organization will be given preferences.
   d) The candidate must have knowledge of translation from Assamese to Hindi and vice versa.
   e) Candidate having 1 year minimum experience of translation work from any Govt. Deptt or organisation will be given preference.
4. Remuneration : Fixed remuneration @ Rs. 31,000/- (Rupees Thirty one Thousand) only per month.
5. Age limit : Should not be less than 18 and not more than 40-years of age on the 1st day of January, 2024. The upper age limit is relaxable by 5 years for SC/ST (P)/ST(H) and 3 years for OBC/MOBC.
6. Process of selection : Through Viva-voce and Practical test.
7. Documents required: a
   i. Educational qualification certificates.
   ii. Diploma in Translation Course in Hindi from any Govt. recognized Institution/organization if any.
   iii. 6 (Six) Months Diploma in Computer application.
   iv. Age proof certificate.
   v. Valid employment exchange registration card. (Hard copy)
   vi. Previous 1 year minimum experience of translation work from any Govt. Deptt or Organisation if any.

N.B. No TA/DA will be paid to the candidates. The Selection Committee reserves the right to cancel/postpone the said interview without assigning any reason thereof.

Sd/-
Director of Information and Public Relations,
Assam, Dispur,Guwahati-6

-- Janasanyog /D/10796/24/21-Dec-24

लार्सन एंड टूब्रो को ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल ने दिया *स्वार्ड आफ आनर*

अयोध्या (हिंस)। अत्यंत कड़ी स्पर्धा के बीच हुए श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण और उसकी सुरक्षा व्यवस्था का डंका पूरी दुनिया में बजा है। हर मानक में पंच तारांकित उपलब्धि के बाद स्पर्धा में राम मंदिर शीर्ष पर रहा। इतने भव्य और सुदृढ़ निर्माण में हजारों श्रमिक और विशालकाय मशीनें लगी हैं। इनके बीच अहर्निश (रातों दिन) भारी-भरकम पत्थरों के साथ काम करते हुए अस्पताल तक पहुंचने वाली चोट-चपेट का शिकार कोई न हुआ। इसी के दृष्टिगत ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल ने निर्माता को *स्वार्ड आफ आनर* से नवाजा है और नेशनल सेफ्टी काउंसिल ने गोल्डन ट्राफी दी है। सुन्दरता, भव्यता, व्यवस्था, प्रतिदिन दर्शनार्थियों की संख्या, प्रसाद की उत्कृष्टता और दान-चढ़ावे की बात में तो राम मंदिर पहले ही सबसे आगे है, अब इस शौर्य मुकुट में एक और हीरा जड़ गया है। बताते चलें, पारंपरिक नागर शैली में बन रहे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का क्षेत्रफल 380 (पूरब-पश्चिम) गुणे 250 फीट तथा उंचाई 161 फीट है। यह मंदिर 392 स्तम्भों एवं 44 कपाटों वाला है। मंदिर पूर्वाभिमुख है और सिंहद्वार 32 सीढ़ियों के साथ है। श्रीराम जन्मभूमि को राजस्थान के बंशी पहाड़पुर पत्थरों (लगभग पंद्रह लाख क्यूबिक फीट) से बनाया जा रहा है। वर्ष 2025 के 11 जनवरी को श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र के अनुसार जून 2025 तक मंदिर का निर्माण पूर्ण होने की आशा है। विदित हो कि ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल निर्माण का स्थलीय निरीक्षण करती है। निर्माण की प्रक्रिया स्थलीय क्रिया-कलाप, कार्य में प्रयोग की जा रही मशीनें, उनका संचालन, सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, कार्यस्थल पर अनुशासन आदि बातों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाता है।

मुख्यमंत्री नीतीश की तबीयत अचानक बिगड़ी, सभी कार्यक्रम रद्द

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके चलते उनके शुक्रवार को पूर्व में निर्धारित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। नीतीश पटना में चल रहे ग्लोबल निवेशक सम्मेलन-बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 में भी हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि, सीएम के स्वास्थ्य के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया जा रहा है कि सर्दी के मौसम की वजह से वे बीमार हुए हैं। डॉक्टर ने उन्हें आराम की सलाह दी है। मुख्यमंत्री का शुक्रवार को अपने गृह जिले नालंदा के दौरे का कार्यक्रम था। वे राजगीर में मगध सम्राट जरासंध की प्रतिमा का अनावरण करने वाले थे। प्रशासन ने इसकी तैयारी भी पूरी कर ली थी। लेकिन, ऐन वक्त पर सीएम का दौरा रद्द हो गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री पटना में आयोजित

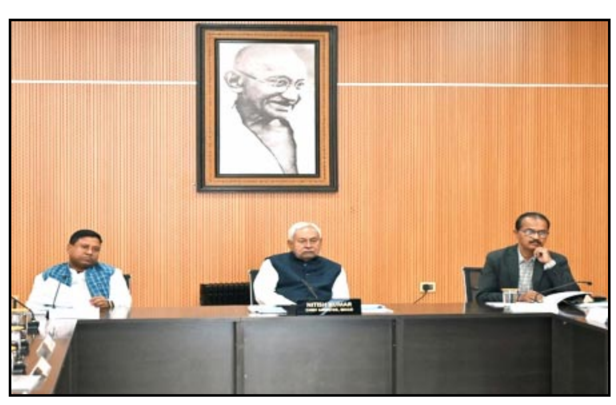

बिहार बिजनेस कनेक्ट के समापन समारोह में शामिल होने वाले थे। शुक्रवार को निवेशक सम्मेलन में उनका संबोधन था। इसके अलावा विभिन्न कंपनियों के पदाधिकारियों से उनकी मीटिंग भी तय थी। हालांकि, तबीयत खराब होने की वजह से अब ये बैठक रद्द हो गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से फिलहाल सीएम नीतीश के स्वास्थ्य के बारे में कोई विस्तृत सूचना नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि मौसम में बदलाव की वजह से मुख्यमंत्री को सर्दी, जुखाम और बुखार हो गया है।

मुसीबत में *हेल्पिंग हैंड* बनकर लोगों की *मुस्कान* लौटा रही बिहार पुलिस

पटना (हिंस)। राज्य में कानून-व्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार रात-रात भर शहर व पुलिस थानों में घूमकर विधि व्यवस्था के बारे में जानकारी ले रहे हैं, तो पुलिस की टीम मुस्तैदी से काम कर रही है। बिहार पुलिस की डायल 112 कम से कम समय में पहुंचकर लोगों की अपनी सेवा दे रही है। दिसंबर माह की ही कुछ घटनाओं पर नजर डालें, तो सूचना मिलने के 5 से 10 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंच कर पुलिस आमलोगों को अपनी सेवा मुहैया करा रही है। कुछ महीने पहले बिहार पुलिस मुख्यालय से जारी आंकड़ों के अनुसार, कॉल हैंडिलिंग में बिहार पुलिस की डायल 112 की टीम दूसरे नंबर पर थी, तो रेस्पांस टाइम में राज्य का स्थान 7 वां था। उस वक्त रेस्पांस टाइम औसतन 20 मिनट था, जो लगातार बेहतर होता जा रहा है। मुख्यालय के अनुसार, पिछले दो वर्षों में डायल 112 ने 20 लाख से अधिक लोगों को सेवा प्रदान की है। इसके तहत लगभग 5, 000 लोग प्रतिदिन सेवा प्राप्त करते हैं। वैशाली जिले के देसरी थानांतर्गत 2 मालवाहक वाहन की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद डायल 112 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंचकर घायल चालक को अस्पताल पहुंचा दिया। ऐसा नहीं है कि डायल 112 की टीम सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में ही घटनास्थल पर पहुंच कर लोगों को सहायता पहुंचा रही है। मारपीट व वाहन चोरी जैसे मामले में भी जानकारी मिलने के तुरंत बाद कार्रवाई हो रही है। पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) जिले के पिपरा थानांतर्गत दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिलते ही डायल 112 टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस टीम ने 7 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को शांत कराया और मारपीट में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया। इसी तरह की एक और घटना पूर्वी चम्पारण के ही चिरैया थानांतर्गत हुई, जिसमें घायल महिला को फौरन अस्पताल पहुंचाया गया। शेखपुरा जिले के शेखपुरा थानांतर्गत ई-रिक्शा चोरी होने की सूचना पर डायल 112 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा को बरामद कर उसके मालिक को सौंपा गया। 18 दिसंबर को दोपहर में बिहार पुलिस के पटना स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में एक महिला द्वारा हत्या का प्रयास किए जाने में संबंधी एक कॉल प्राप्त हुई। मुजफ्फरपुर जिले में स्थित मोतीपुर-ईआरवी2 ने बहुत ही कम समय यानी लगभग 10 मिनट में घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई की। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद ईआरवी पुलिसकर्मियों ने घायल महिला को निकटतम अस्पताल में भर्ती कराया और एसएचओ को इस घटना के बारे में सूचित किया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में बहुत ?ुशी थी। ऐसी ही एक घटना अरवल जिले में हुई, यहां करपी थानांतर्गत आत्महत्या का प्रयास कर रही एक महिला को इलाज हेतु तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसकी जान बच पाई। बिहार पुलिस की डायल 112 की टीम अब सिर्फ शहर में ही सक्रिय नहीं है, राज्य के हर जिले में पुलिस की टीम चौबीसों घंटे काम कर रही है। बच्चों की गुमशुदगी मामले में भी पुलिस तुरंत कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को जहानाबाद के कल्पा थाना को सूचना मिली कि एक लड़का कल्पा थानांतर्गत शाहबाजपुर गांव से सुबह 8 बजे से गुम हो गया है, वहीं नगर थाना के पास भी सूचना मिली कि एक लड़का मदारपुर से सुबह से ही गुम है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कल्पा पुलिस एवं जहानाबाद पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों के परिजनों से पूछताछ की गई। घर व स्कूल के आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया। काफी खोजबीन के बाद दोनों बच्चे को बुधवार की सुबह पटना स्थित गांधी मैदान के पास से सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया। मंगलवार को ही राजधानी पटना के शास्त्रीनगर थानांतर्गत एक बच्चे के गुम होने की सूचना मिली, बिहार पुलिस की टीम ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 मिनट में ही बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। वहीं, मोतिहारी के नगर थानांतर्गत गुम हुई एक बच्ची को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंपा गया। वहीं, पूर्वी चम्पारण के ही रक्सौल थानांतर्गत गुम हुए बच्चे को 5 मिनट के अंदर सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंपा गया, जिससे परिवार के चेहरे की मुस्कान लौट पाई। बिहार पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर से राज्यभर की घटनाओं पर चौबीसों घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। कोई भी घटना होने पर संबंधित जिले और अधिकारी को यहाँ से सूचना प्रेषित की जाती है और उसपर कार्रवारी सुनिश्चित कारवाई जाती है। कई बड़ी घटनाओं पर त्वरित रेस्पांस लेते हुए सोशल मीडिया की टीम ने बेहतरीन काम किया है। सितंबर माह में ही बिहार के छात्र एसएसबी भर्ती परीक्षा देने सिलीगुड़ी गए थे। बांग्ला पक्खो नामक कट्टरपंथी संगठन के लोगों द्वारा इन छात्रों को धमकाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए बिहार पुलिस ने बंगाल पुलिस को सोशल मीडिया पर टैग कर आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया, जिसके बाद पश्चिम बंगाल की सिलीगुड़ी पुलिस हरकत में आई थी। इसके अलावा सोशल मीडिया सेंटर से उन अकाउंट पर भी कड़ी नजर रखी जाती है, जिसके जरिए भ्रामक या उन्माद फैलाने वाले पोस्ट किए जाते हैं। ईओयू के द्वारा चार सौ से ज्यादा संदिग्ध अकाउंट बंद करवाए गए। सबसे बड़ी बात सोशल मीडिया पर बिहार पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है।

देश के पहले अपतटीय क्षेत्र खनिज ब्लॉक नीलामी पर रोड शो करेगा खान मंत्रालय

नई दिल्ली

खान मंत्रालय शनिवार (21 दिसंबर) को गुजरात के पोरबंदर में बड़ा रोड शो करेगा। इसमें देश के अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉकों की पहली ई-नीलामी की झांकी प्रमुखता से दर्शाई जाएगी। ई-नीलामी के इस चरण में कुल 13 खनिज ब्लॉक शामिल हैं।

खान मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक कार्यक्रम की अध्यक्षता खान मंत्रालय के सचिव वीएल कांथा राव करेंगे। गुजरात के भूविज्ञान और खान आयुक्त धवल पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा उद्योग जगत के नेता इसमें शामिल होंगे। इसके साथ ही खनन, सीमेंट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के इसमें भाग लेने की संभावना है, जो इस परिवर्तनकारी अवसर में बढ़ती रुचि को दिखाता है।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अपतटीय ब्लॉकों की खनिज क्षमता पर तकनीकी प्रस्तुति देगा। रोड शो में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआईसीएपीएस), मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की तरफ से प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स नीलामी प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करेगा, जिसमें समय-सीमा, निविदा और भागीदारी की शर्तें शामिल होंगी। साथ ही मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्बाध और पारदर्शी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करने वाले उन्नत ई-नीलामी प्लेटफ़ॉर्म प्रस्तुत करेगा।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने 28 नवंबर 2024 को अपतटीय खनिज ब्लॉकों की भारत की पहली ई-नीलामी का शुभारंभ किया था। यह कार्यक्रम इसी सिलसिले में आयोजित किया जा रहा है। नीलामी के इस चरण में लिए कुल 13 खनिज ब्लॉक हैं। ई-नीलामी में गुजरात में 3 लाइममड (चूना-पत्थर) ब्लॉक, केरल में 3 भवन निर्माण रेत ब्लॉक के साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सात पॉलीमेटेलिक नोड्यूल और क्रस्ट ब्लॉक है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत ने यूरोपीय संघ के समक्ष व्यापार बाधाओं का मुद्दा उठायाः वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजारों में घरेलू उद्योग के सामने आ रही बाधाओं को रेखांकित कर इन्हें हल करने का आग्रह किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के बीच देर रात वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति के अलावा कई मुद्दे पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने बताया कि वाणिज्य मंत्री गोयल ने मारोस सेफकोविक के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बातचीत में व्यापार में बाधा डाल रही गैर-टैरिफ बाधाओं पर चर्चा की। गोयल ने चर्चा के दौरान विश्वास बनाने के उपाय के रूप में लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने एक संतुलित, न्यायसंगत, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए की खोज करने पर सहमति व्यक्त की। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने भारत और यूरोपीय संघ के लगभग 2 बिलियन (2 अरब) लोगों के लिए अधिक धन और समृद्धि सुनिश्चित करने के तरीकों का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के नए यूरोपीय आयोग का कार्यभार संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली परिचयात्मक बैठक थी।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में कमजोरी नजर आ रही है। सोना 650 रुपये से 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,280 रुपये से लेकर 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,850 रुपये से लेकर 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

अब 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकेंगे विलंबित आईटीआर

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए विलंबित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल किया जा सकता है। यह जानकारी आयकर विभाग ने शुक्रवार को दी है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान जारी कर कहा कि यदि आप आकलन वर्ष 2024-25 कि लिए अपना आईटीआर दाखिल करने से चूक गए हैं, तो आपके लिए विलंबित आयकर रिटर्न जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आखिरी समय का इंतजार न करें और ही अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें विभाग के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 और आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 थी, लेकिन अगर कोई करदाता आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि से चूक गया है, तो भी लेट फीस के साथ वह अपना रिटर्न दाखिल कर सकता है। इसे विलंबित आईटीआर फाइलिंग कहते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक विलंबित आयकर रिटर्न दाखिल करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234 के तहत जुर्माना लगेगा। अगर आकलन वर्ष 2024-25 के आईटीआर 31 दिसंबर को या उससे पहले दाखिल किया जाता है तो जुर्माना पांच हजार रुपये होगा। अगर रिटर्न 31 दिसंबर के बाद लेकिन आकलन वर्ष की समाप्ति 31 मार्च, 2025 से पहले दाखिल किया जाता है तो जुर्माना 10,000 रुपये होगा। लेकिन अगर कुल इनकम पांच लाख रुपये से अधिक नहीं है, तो जुर्माना एक हजार रुपये होगा।

लगातार पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में कमजोरी, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेजी का रुख दिखाया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से शेयर बाजार ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

कारोबार शुरू होने के एक घंटे बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शहरों में से डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टाइटन कंपनी, एनटीपीसी, अडाणी एंटरप्राइजेज और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 2.22 प्रतिशत से लेकर 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, सिप्ला, जेएसडब्ल्यू स्टील और लार्सन एंड टूब्रो के शेर 2.10 प्रतिशत से लेकर 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,333 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,142 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,191 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स 117.43 अंक की मजबूती के साथ 79,335.48 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक ये सूचकांक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा, लेकिन पहले 15 मिनट के बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 79,587.15 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये मजबूती अधिक देर तक नहीं टिक सकी। अगले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार पर बिकवाल हावी हो गए, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 381.71 अंक की कमजोरी के साथ 78,836.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 9 अंक की मामूली बढ़त के साथ 23,960.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक भी उछल कर 24,065.80 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस सूचकांक ने भी लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 97.40 अंक की गिरावट के साथ 23,854.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 964.15 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,218.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 247.15 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,951.70 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक शनिवार को, हेल्थ और जीवन बीमा पॉलिसियों पर चर्चा संभव

नई दिल्ली

जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक शनिवार, 21 दिसंबर को राजस्थान के जैसलमेर में होगी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी छूट पर चर्चा होगी।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में करीब 148 वस्तुओं की जीएसटी दर में फेरबदल पर चर्चा होने की संभावना है। बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंप दी है। जीएसटी परिषद बीमा 'प्रीमियम' पर कर में कटौती सहित कई अन्य वस्तुओं पर जीएसटी दर में बदलाव का फैसला कर सकती है।

जैसलमेर में आयोजित जीएसटी परिषद अपनी 55वीं बैठक में जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी की दरें कम करने, उच्च श्रेणी की कलाई घड़ियों, जूतों और परिधानों पर कर बढ़ाने के अलावा 35 फीसदी अलग से कर लगाने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती पर बैठक में चर्चा हो सकती है।

इसके अलावा बैठक में विमानन उद्योग की परिचालन लागत के एक प्रमुख घटक एविएशन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को जीएसटी के दायरे में लाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

इसके अलावा इस बैठक में जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून, 2025 तक छह महीने का विस्तार मिलने की संभावना है। दरअसल क्षतिपूर्ति उपकर व्यवस्था मार्च, 2026 में समाप्त हो जाएगी और जीएसटी परिषद ने मंत्रियों का एक पैनल गठित किया है। केंद्रीय वित्तमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित जीएसटी परिषद की में राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल होंगे।

कैरारो इंडिया का आईपीओ खुला, 24 तक बोली लगा सकेंगे निवेशक

मुंबई/नई दिल्ली

ऑटो पार्ट निर्माता कंपनी कैरारो इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए शुक्रवार को निवेशकों के लिए खुल गया है। कैरारो इंडिया के इस इश्यू के लिए निवेशक 24 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 1250 करोड़ जुटाना चाहती है।

कैरारो इंडिया ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 668-704 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के मौजूदा निवेशक 1,250 करोड़ रुपये में 1.78 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेच रहे हैं। इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 21 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस आईपीओ के लिए एक भी फ्रेश शेयर इश्यू नहीं कर रही है।

कैरारो इंडिया की योजना इस नए इश्यू के जरिए 1,250 करोड़ रुपये जुटाने की है। कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(एनएसई) पर 30 दिसंबर, 2024 को सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ से प्राप्त पूरी धन राशि कंपनी के बजाय सीधे कैरारो इंटरनेशनल एसई को ही मिलेगी। उल्लेखनीय है कि कैरारो इंडिया लिमिटेड छोटे गियर से लेकर ट्रैक्टर असेंबली तक के कंपोनेंट के मैन्युफैक्चरिंग के निर्माण में माहिर है। ऑटो पार्ट निर्माता ये कंपनी ट्रांसमिशन सिस्टम को डिजाइन, प्रोड्यूस और बेचती है, जो मुख्य रूप से कृषि और निर्माण ऑफ-हाईवे वाहनों के लिए उपयोग में आते हैं। इसके अलावा यह ऑटोमोटिव, ट्रक, कृषि और निर्माण वाहनों सहित क्षेत्रों के लिए कई प्रकार के गियर बनाती है।

सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स का आईपीओ खुला, निवेशक 24 तक लगा सकेंगे बोली

मुंबई/नई दिल्ली

औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को खुलते ही दोपहर 12.10 बजे तक 66 फीसदी सब्सक्राइब हो गया है। रिटेल कैटेगरी 284 फीसदी सब्सक्रिप्शन के साथ फुल हो गई है, जबकि एनआईआई कैटेगरी में 48 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है। निवेशक इसमें निवेश के लिए 24 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। जाकारी के अनुसार सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए शेयर का प्राइस बैंड 372-391 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक इसमें न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद उसके गुणांक में बोली लगा सकते हैं।

अहमदाबाद स्थित कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स का 582 करोड़ रुपये का यह इश्यू, 500 करोड़ रुपये की नई इक्विटी बिक्री और 21 लाख शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। कंपनी का यह आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयरों और 82.11 करोड़ रुपये के 21 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस निर्गम में कर्मचारियों के लिए 75,000 शेयर आरक्षित हैं। कंपनी इस आईपीओ से हासिल राशि का इस्तेमाल अटलांटा सुविधा में 'स्टेराइल इंजेक्शन' के उत्पादन के लिए विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में करेगी। इसके अलावा बाकी राशि का इस्तेमाल अपने अनुषंगी कंपनियों की कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के साथ एक हिस्सा सामान्य कंपनी कामकाज पर खर्च करेगी। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 582 करोड़ रुपये जुटाने की है।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद की सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड एक वैश्विक शोध संचालित फार्मास्युटिकल कंपनी है। ये कंपनी विभेदित जटिल फार्मास्युटिकल उत्पादों के विकास और निर्माण में लगी हुई है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मामूली कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त बिकवाली का शिकार हो गया। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,867.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.12 प्रतिशत फिसल कर 19,369.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 260.42 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूट कर 42,081.82 अंक के स्तर पर कारोबार

करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,105.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,294.37 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 272.71 अंक यानी 1.37 प्रतिशत लुढ़क कर 19,969.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मामूली तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,730.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 218.78 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूट कर 22,713.47 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.66 प्रतिशत गिर कर 2,395.44 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत लुढ़क कर 1,367.06 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,035 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,787.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 38,831 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,979.80 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत उछल कर 3,388.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप : ओलंपियन धीरज, दीपिका ने अंतिम दिन रिकर्व खिताब जीता, टीम पदक भी जीते

जमशेदपुर

ओलंपियन बी. धीरज और दीपिका कुमारी शुक्रवार को गोपाल मैदान में राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के अंतिम दिन क्रमश: रिकर्व पुरुष और महिला वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। उन्होंने टीम मेडल जीतकर अपनी खुशी दोगुनी कर दी।

दिव्यांश चौधरी के साथ व्यक्तिगत खिताबी मुकाबले में धीरज ने पहले दो सेटों में अंक बांटे, जबकि दूसरे सेट में उन्होंने परफेक्ट 30 स्कोर किया, उन्होंने लगातार येलो जोन में पहुंचकर 6-2 के स्कोर के साथ अपना पहला खिताब जीता। उनके 18 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी पहली बार पोडियम पर शूटिंग करने के दबाव को नहीं झेल पाए। धीरज ने सर्विसेस पुरुष टीम की कांस्य पदक जीत में भी योगदान दिया।

धीरज ने कहा, यह एक अच्छा प्रदर्शन था। मैंने जो कुछ भी किया है, वह सही दिशा में जा रहा है। पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन के रंग में रंगी दीपिका ने अपने पति अतनु दास के साथ मिलकर पंजाब की सिमरनजीत कौर और आदित्य चौधरी की जोड़ी को 6-2 से हराकर मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं के व्यक्तिगत फाइनल में दीपिका ने स्थानीय पसंदीदा अंकिता भक्त को 6-2 से हराकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दीपिका ने कहा, मैं नतीजों की परवाह किए बिना कुछ प्रयोग कर रही हूं। मेरा अंतिम लक्ष्य ओलंपिक है।

परिणाम:

रिकर्व: व्यक्तिगत: पुरुष: स्वर्ण: बी. धीरज (एसएससीबी) ने दिव्यांश चौधरी (हरियाणा) को 6-2 से हराया; कांस्य: अतुल वर्मा (उत्तराखंड) ने चिंगखम अचनबा सिंह (अरुणाचल) को 7-1 से हराया।

महिला: स्वर्ण: दीपिका कुमारी (पीएसपीबी) ने अंकिता भक्त (झा) को 6-2 से हराया; कांस्य: सिमरनजीत कौर (पंजाब) ने भार्गवी भगोरा (गुजरात) को 6-5 (शूट-ऑफ: 8-7) से हराया। टीम: पुरुष: स्वर्ण: रेलवे ने हरियाणा को 6-2 से हराया; कांस्य: एसएससीबी ने राजस्थान को 5-4 से हराया (शूट-ऑफ: 29-28)। महिला: स्वर्ण: मध्य प्रदेश को 5-3 से हराया; कांस्य: महाराष्ट्र ने रेलवे को 6-2 से हराया; मिश्रित: स्वर्ण: पीएसपीबी ने पंजाब को 6-2 से हराया; कांस्य: : मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 5-1 से हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

जीपीकेएल, आईपीकेएल का हुआ विलय, साथ मिलकर करेंगे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग का आयोजन

गुरुग्राम। कबड्डी जगत में एक महत्वपूर्ण घोषणा हुई, जब ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) के आयोजकों ने इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के साथ इसके विलय की घोषणा की। इस रणनीतिक गठबंधन के परिणामस्वरूप ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) की शुरुआत हुई, जिसमें पुरुष और महिला दोनों एक ही आकार के मैट पर एकीकृत लीग बैनर के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो खेल के इतिहास में पहली बार होगा। यह विलय कबड्डी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें महिला सशक्तिकरण पर जीपीकेएल का ध्यान और वैश्विक स्तर पर प्रतिध्वनित लीग बनाने के लिए आईपीकेएल का व्यापक दृष्टिकोण शामिल है। जीआई-पीकेएल दुनिया भर के देशों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए विविध प्रतिभाओं को एक साथ लाया जाता है। विलय को लेकर होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कंथी डी सुरेश ने कहा, एक ही बैनर के नीचे पुरुषों और महिलाओं का एक साथ प्रतिभागी बनाना हमारी महिला सशक्तिकरण की रणनीति का ही हिस्सा है। यह न केवल हमें लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करेगा, बल्कि महिलाओं का अपने पुरुष समकक्षों के साथ एक ही लीग के तहत खेलना समानता का भी संदेश देगा, जो पहले कभी नहीं हुआ। फिलहाल हमारा फोकस जल्द से जल्द इसे क्रियान्वित करने पर है। आईपीकेएल के निदेशक सोहन तुसीर ने कहा, इस विलय के बाद फ्रेंचाइजी मालिक भी एक साथ पुरुष और महिला दोनों ही टीमों को अपना हिस्सा बनाने में रुचि दिखा रहे हैं। फिलहाल कुछ मशहूर हस्तियों को भी जीआई-पीकेएल का हिस्सा बनाने और एक साथ दो टीमों का मालिक बनाने पर विचार किया जा रहा है। हमेशा से ही होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन कबड्डी के वैश्विक विकास को लेकर प्रतिबद्ध रहा है। 2023 में जीपीकेएल ने दुनिया भर में महिला कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले, होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने सभी महाद्वीपों में खेल का विस्तार करने के लिए यूनाइटेड किंगडम स्थित विश्व कबड्डी निकाय के साथ भी 10 वर्ष के लिए करार किया था । यह प्रयास चार महाद्वीपों में पुरुषों के लिए कम से कम 75 देशों और महिलाओं के लिए 45 देशों में सक्रिय भागीदारी जैसे मानदंडों को पूरा करके ओलंपिक में कबड्डी को शामिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर आधारित है। तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले फिल्म फौजा के मुख्य अभिनेता और जीपीकेएल के एवीपी कार्तिक दम्मू ने कहा, जीआई-पीकेएल का चैंपियनशिप ट्रॉफी विजेता प्रशंसकों के लिए एक आश्चर्य की तरह होने वाला है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : अंतिम दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हुए मैकस्वीनी, कोंस्टास को मौका

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मैचों के लिए ओपनर नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में डेब्यू करने वाले मैकस्वीनी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों में 10, 0, 39, 10*, 9 और 4 रन बनाए हैं। उनकी जगह 19 वर्षीय न्यू साउथ वेल्स के ओपनर सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया है। कोंस्टास सीरीज से पहले डेविड वॉर्नर की खाली जगह भरने की दौड़ में थे, लेकिन प्रबंधन ने शुरुआत में मैकस्वीनी को ही मौका दिया। कोंस्टास ने पिछले महीने इंडिया ए के खिलाफ़ नाबाद 73 रन और प्रधानमंत्री एकादश के लिए पिंक बॉल वार्म-अप गेम में 107 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने इस महीने की शुरुआत में शेफ़ील्ड शील्ड में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ न्यू साउथ वेल्स के लिए 88 रन और तीन दिन पहले बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के लिए 27 गेंदों में 56 रन बनाए।

आईओसी ने अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी के दस्तावेज जारी किये

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को ग्रीस में 144वें आईओसी सत्र में होने वाले आईओसी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों के उम्मीदवारी दस्तावेज जारी किए। ये दस्तावेज सभी के लिए डाउनलोड करने और देखने के लिए उपलब्ध हैं, और कुछ दस्तावेज अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश संस्करणों में उपलब्ध कराए गए हैं। सात उम्मीदवार, एचआरएच प्रिंस फैसल अल हुसैन (जॉर्डन ओलंपिक समिति के अध्यक्ष), डेविड लैपर्टिएंट (यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनेल के अध्यक्ष), जोहान एलियाश (अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड फेडरेशन के अध्यक्ष), जुआन एंटोनियो समरंच (आईओसी के उपाध्यक्ष), क्रिस्टी कोवेंट्री (जिम्बाब्वे के तैराक और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता), सेबेस्टियन को (विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष), मोरिनारी वतनबे (अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष), 30 जनवरी, 2025 को स्विट्जरलैंड के लॉजेन में आईओसी सदस्यों के समक्ष ऑनलाइन अपने अध्यक्षीय उम्मीदवारी की प्रस्तुति देंगे।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी करेगा नई दिल्ली

नई दिल्ली

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा, जो अगले मार्च में पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी भी करेगा।

अगले साल पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप नई दिल्ली में होगी, जो पहली बार भारत में इस आयोजन की मेजबानी करेगा, विश्व पैरा एथलेटिक्स (डब्ल्यूपीए) ने गुरुवार (19 दिसंबर) को उक्त घोषणा की।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप, दुनिया की सबसे बड़ी एकल पैरा खेल प्रतियोगिता, 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। नई दिल्ली 2025 चैंपियनशिप का 12वां संस्करण होगा और दोहा 2015, दुबई 2019 और कोबे 2024 के बाद चौथी बार एशिया में इसकी मेजबानी की जाएगी।

इसके अलावा, डब्ल्यूपीए ने घोषणा की कि नई दिल्ली अगले साल पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी भी करेगा।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 11 से 13 मार्च तक होने वाला यह आयोजन प्रशंसकों को विश्व चैंपियनशिप से पहले पैरा एथलेटिक्स के रोमांच का अनुभव करने का एक प्रारंभिक अवसर देगा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स के प्रमुख पॉल फिट्ज़गेराल्ड ने विश्व पैरा एथलेटिक्स प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लॉस एंजिल्स 2028 की ओर नए पैरालंपिक चक्र की पहली प्रमुख चैंपियनशिप नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। 2025 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप भारत में होने वाली अब तक की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पैरा खेल प्रतियोगिता होगी, जो हमारे खेल, हमारे प्रशंसक आधार को बढ़ाने और दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में विकलांग व्यक्तियों के बारे में समाज की धारणा को प्रभावित करने का एक बड़ा अवसर पेश करेगी।

उन्होंने कहा, भारत पिछले दशक में पैरा एथलेटिक्स के विकास का सबसे अच्छा उदाहरण है। दोहा 2015 विश्व चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतने से लेकर कोबे में इस साल के विश्व चैंपियनशिप में छह स्वर्ण सहित 17 पदक हासिल करने तक, प्रगति स्पष्ट है। यह सफलता भारत की राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के काम और देश में खेलों, विशेष रूप से पैरा एथलेटिक्स में किए जा रहे निवेश को दर्शाती है। हमने देखा है कि प्रमुख आयोजनों का क्या प्रभाव हो सकता है और वे पैरा खेलों को और अधिक दृश्यमान और सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए क्या विरासत छोड़ सकते हैं। हमारा मानना है कि यह नई दिल्ली में हो सकता है, और हम अगले साल भारत में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (एनपीसी इंडिया) ने एक बयान में कहा, एनपीसी इंडिया को भारत में पहली बार पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए हमारी बोली को मजबूत करता है। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप न केवल वैश्विक खेल मानचित्र पर भारत की स्थिति को ऊंचा करेगी बल्कि देश के भीतर पैरालंपिक आंदोलन को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 60 मिलियन से अधिक विकलांग व्यक्तियों की आबादी के साथ, यह आयोजन समावेशिता को बढ़ावा देने, एथलीटों को सशक्त बनाने और विकलांग एथलीटों के लिए अवसरों का विस्तार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बयान में कहा गया, हम पैरा खेलों के क्षेत्र में भारत की अद्वितीय प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए दुनिया भर के एथलीटों, कोचों और अधिकारियों का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। यह आयोजन भारत के विकास का प्रमाण होगा, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जोर दिए गए नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। मई में जापान के कोबे में आयोजित विश्व चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में सौ से अधिक देशों के 1,000 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया था। चीन 33 स्वर्ण सहित 87 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि भारत पहली बार शीर्ष छह में रहा।

चेन्नइयन एफसी के खिलाफ आक्रामकता जारी रखने उतरेगी मुम्बई सिटी

मुम्बई

मुम्बई सिटी एफसी शनिवार शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले के लिए मुम्बई फुटबॉल एरिना (एमएफए) में चेन्नइयन एफसी की मेजबानी करेगी। मुम्बई चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने पिछले नौ आईएसएल मुकाबलों में सात जीत और दो ड्रा के साथ अपराजित रहे हैं। मुम्बई ने अपने पिछले पांच मैचों में दो जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं। मुम्बई सिटी एफसी 11 मैचों में चार जीत, पांच ड्रा और दो हार से 17 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है।

चेन्नइयन एफसी 12 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और पांच हार से 15 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। लेकिन उसने अपने पिछले पांच मुकाबलों में तीन हारे हैं। मुम्बई ने अपने पिछले तीन आईएसएल मैचों में कोई गोल नहीं खाया है। मुम्बई ने इस सीजन में सात बार पोस्ट-क्रॉसबार को निशाना बनाया है, जो दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल, उसने 10 बार सबसे ज्यादा पोस्ट-क्रॉसबार पर निशाने मारे थे। चेन्नइयन एफसी अपने पिछले दो अवे मैच हारी है, जिनमें कोई गोल नहीं कर पाई है। चेन्नइयन ने घर से बाहर लंबे समय तक दिसंबर 2023 और फरवरी 2024 के बीच चार मैच हारे थे। चेन्नइयन ने इस सीजन में अपने मैचों के पहले हाफ में केवल सबसे कम चार गोल खाए हैं। हालांकि, उन्होंने दूसरे हाफ में 14 गोल खाए और यह केरला ब्लास्टर्स के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। मुम्बई के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी चाहते हैं कि उनकी टीम चेन्नइयन एफसी के खिलाफ आगामी मुकाबले में सुधार करे। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अच्छी तरह से बचाव करें, तेज गति से हमले करें और अधिक मौके बनाकर गोल दागें। इन क्षेत्रों पर हम अभी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चेन्नइयन एफसी के सहायक कोच नोएल विल्सन ने कहा कि उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए पिछले सीजन के दूसरे हाफ के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। उन्होंने कहा, हम हमेशा प्लेऑफ में पहुंचना चाहते हैं। हमने पिछले सीजन के दूसरे हाफ में बहुत सारे मैच जीतकर ऐसा ही किया था और इस बार भी ऐसा करना हमारा लक्ष्य होगा।

ट्रॉफी के साथ अगस्ता और फोबे जोंस

मेलबर्न में डीन जोंस ट्रॉफी को पेश करते हुए अगस्ता और फोबे जोंस।

कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट ईश्वरदेव की जीत में चमके अमित

वाराणसी

मैन आफ द मैच अमित मिश्र (अजेय 37 रन, 2 विकेट) के हरफनमौला खेल की बदौलत गत उपजेता ईश्वरदेव मिश्र एकादश ने विद्याभास्कर एकादश को आठ विकेट से पराजित कर दिया। शुक्रवार को आनन्द चंदोला खेल महोत्सव के तहत खेली जा रही 37वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट के उद्घाटन मुकाबले में विद्याभास्कर एकादश टास हारने पर पहले खेलने के लिए बाध्य हुई।

काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब एवं जिला प्रशासन के संयुक्त बैनर तले सांसद सांस्कृतिक जागरूकता महोत्सव के अन्तर्गत डॉक्टर सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स सिगरा में यह मैच खेला गया। विद्याभास्कर एकादश ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 96 रन बनाये। विनय शंकर सिंह ने 28, सुभाष राय, सुब्रतो ने 12-12 तथा राहुल ने 11 रन बनाये। अमित मिश्र के अलावा रवि सिंह ने तीन विकेट लिए। जवाब में ईश्वरदेव मिश्र एकादश ने 11.4 ओवर में दो विकेट खोकर 97 रन बना लिए। अमित के अलावा अमित मिश्र द्वितीय ने 34 रन बनाये। इससे पूर्व

प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं समाजसेवी अवधेश पाठक ने किया। इस मौके पर काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ. अत्रि भारद्वाज, महामंत्री अखिलेश मिश्र, कोषाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी, वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्र, मंत्री विनय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष केडीएन राय, योगेश कुमार गुप्त, सुभाषचन्द्र सिंह, बीबी यादव, राजनाथ तिवारी, शुभाकर दुबे, केबी रावत, सुरेश सिंह, जितेन्द्र श्रीवास्तव आदि की मौजूदगी रही।

एचआईएल का भव्य समारोह के साथ होगा आगाज; सारा अली खान और किंग होंगे मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली

बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 भव्य शैली में वापसी करने के लिए तैयार है, जिसकी शुरुआत 28 दिसंबर को उद्घाटन मैच से पहले राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी।

यह कार्यक्रम, जो खेल, मनोरंजन और अत्याधुनिक तकनीक का एक शानदार उत्सव होने का वादा करता है, में शीर्ष भारतीय हस्तियों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया जाएगा, जिसका थीम हॉकी का जश्न होगा। बॉलीवुड सनसनी सारा अली खान और प्रसिद्ध संगीत कलाकार किंग अपने शानदार प्रदर्शन के साथ शाम को सुर्खियाँ बटोरेंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित श्यामक डावर डांस ट्रूप गतिशील कोरियोग्राफी के साथ मंच को जीवंत करेंगे।

रात की एक खास विशेषता अभिनव एनामॉर्फिक फ़्लोर प्रोजेक्शन मैपिंग होगी, जो

स्टेडियम के फ़्लोर पर प्रोजेक्ट किए गए 3डी भ्रम के साथ प्रशंसकों के लिए एक विजुअल इमर्सिव अनुभव प्रदान करेगी।

प्रशंसकों को एक्शन के और करीब लाने के प्रयास में, राउरकेला में दर्शकों के लिए उद्घाटन समारोह और एचआईएल 2024-25 के सभी मैचों के टिकट नि:शुल्क होंगे। इस पहल का उद्देश्य लीग को देश भर के प्रशंसकों के लिए और अधिक सुलभ बनाना है, ताकि वे विश्व स्तरीय खेल तमाशा लाइव देख सकें।

हॉकी इंडिया लीग के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने एचआईएल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, राउरकेला हॉकी के प्रति गहरा प्रेम रखने वाला शहर है, और यह उचित ही है कि हम यहाँ इतने भव्य समारोह के साथ लीग का शुभारंभ करें।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने उद्घाटन समारोह के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, इस साल का उद्घाटन समारोह पहले कभी नहीं हुआ है।

हम इसे हॉकी का एक सच्चा उत्सव बनाना चाहते थे, जिसमें मनोरंजन और नवाचार का मिश्रण इस तरह से हो कि प्रशंसक उत्साहित हों और खेल को उनके और करीब लाए। सारा अली खान और किंग के प्रदर्शन से लेकर अत्याधुनिक दृश्य प्रभावों तक, हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम हॉकी के अविस्मरणीय सत्र के लिए मंच तैयार करेगा।

उन्होंने कहा, उद्घाटन समारोह में न केवल खेल का जश्न मनाया जाएगा, बल्कि उन प्रशंसकों का भी जश्न मनाया जाएगा जो हीरो एचआईएल की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हम सभी को इस असाधारण आयोजन का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित करते हुए रोमांचित हैं।

थ्रेडिंग के बाद पिंपल्स से छुटकारा...

आजकल ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग करवाती हैं। हर तरह की त्वचा पर थ्रेडिंग हो सकती है फिर चाहें आपकी त्वचा संवदेनशील हो या नहीं। पर अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं को थ्रेडिंग करवाने के बाद में दाने, पिंपल्स हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको थ्रेडिंग के बाद होने वाले पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से टिप्स देगें। थ्रेडिंग करवाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से थ्रेडिंग के समय दर्द कम होता है। चेहरे को कॉटन के कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ न कि रगड़कर पोंछें। अगर आप रगड़ कर कर पोंछेगे तो त्वचा ड्राई हो जाती है। अगर आपने घर पर ही टोनर बनाया हुआ है तो उसे चेहरे को हल्का नम कर दें। अगर आपके चेहरे पर दाने निकले हुए है तो उन पर जड़ी बूटी से बना टोनर ही लगाएं या फिर घर में बनी दालचीनी की चाय को टोनर के रूप में लगा सकती हैं। यह सब करने के बाद ही आप पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाएं। जलन और संक्रमण से बचने के लिए अपनी आईब्रो पर बर्फ लगाएं। चेहरे को हमेशा गुलाब जल से ही धोएं। इसे लगाने से आपकी आईब्रो पर लगे कट, दाने व पिंपल ठीक हो जाते है। ध्यान में रखें कि आप जब भी थ्रेडिंग करवाकर आए तो थ्रेड़िंग वाले हिस्से को न छुएं। थ्रेडिंग करवाने के बाद कम से कम 12 घंटे की अवधि के दौरान एसिड की मौजूदगी वाले सुगांधित कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे क्लींजर और मॉश्चराइजर न लगाएं। थ्रेडिंग के बाद किसी तरह का स्टीम ट्रीटमेंट कभी न करवाएं।

वह अजीब सा नंबर...

आप टीवी पर अपना कोई पसंदीदा शो देख रहे हैं और अचानक एक नीली पट्टी में अजीब सा नंबर दिखने लग जाता है। यह नंबर कभी-कभी आपको इरिटेट करता है, क्योंकि शो के दौरान कई बार ये दिखने लग जाता है। लेकिन क्या आपको इस नंबर की कहानी पता है? अचानक दिखने वाला यह नंबर बहुत काम का होता है और यही नंबर वीडियो पाइरेसी से भी बचाता है। टीवी स्क्रीन पर दिखने वाली रेंडम नंबर की स्ट्रिप को क्षेत्र के आधार पर चैनल एल्गोरिथम के जरिए जनरेट करता है। यह नंबर किसी भी शो के वीडियो के बीच में रेंडम तरीके से रिफ्लेक्ट होता रहता है, ताकि इस वीडियो का कोई दूसरा इस्तेमाल या कॉपी न कर पाए। अगर कोई टीवी के किसी शो या सीरियल के वीडियो को कैमरा या स्क्रीन रिकॉर्डिंग डिवाइस के माध्यम से रिकॉर्ड करता है, तो स्क्रीन पर रिफ्लेक्ट हो रहा नंबर भी उसमें आ जाता है। इससे इस बात का पता लगाने में आसानी हो जाती है कि किस क्षेत्र में टीवी के सीरियल्स और शो को कॉपी किया गया है। नंबर स्ट्रिप के जरिए ही मीडिया कंपनीज बेहद आसानी से उस जगह को ट्रैक कर लेती हैं, जहां बैठकर किसी टीवी शो रिकॉर्ड किया गया होता है। इसके बाद उन्हें उस व्यक्ति को ढूंढने में कोई मुश्किल नहीं होती जो पाइरेटिड कंटेट के लिए जिम्मेदार होता है।

घड़ियों का यह राज...

चाहे वो रोलेक्स घड़ी हो या टाइटन सबके विज्ञापन में हमेशा समय 10.10 ही होता है पर क्या कभी आपने सोचा है ऐसा क्यों होता है। यह कोई संयोग नहीं है इसके पीछे भी एक बहुत ही रोचक कारण हैं। अगर देखा जाए तो इस समय घड़ी की सूइयां जिस आकार में होती है वो हंसने की आकृति बनाती हैं जो एक बहुत ही सकारात्मक चिन्ह होता है। इससे पहले विज्ञापनों में 8.10 का समय इस्तेमाल किया जाता था मगर इस समय से जो आकृति बनती थी उसका मनोवैज्ञानिक असर गलत पड़ता था। कई कारणों में से एक कारण यह भी है की यह समय प्रथम दृष्टि में दिख जाता है ज्यादा ध्यान से देखने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती है। इस समय की वजह से ब्रांड नाम और घड़ी की अन्य विशेषताएं भी आसानी से दिख जाती है। एक और बात ध्यान देने योग्य है की इस समय के दौरान सेकेंड वाले कांटे को 35 सेकेंड पर रोक दिया जाता है। इसको इस तरह भी माना जाता है की यह आकृति वी आकर बनाती है जिसे जीत का आकार भी माना जाता है।

स्मार्टफोन के स्क्रैचेस से छुटकारा...?

अगर आपके स्मार्टफोन पर जरा सी भी खरोंच आ जाए तो आपको बहुत बुरा लगता होगा पर अब आपको किसी भी चीज का बुरा मानने की जरूरत नहीं ही क्योंकि अब आप अपनी स्क्रैच्ड स्क्रीन को घर पर ही ठीक कर सकते हैं। बेकिंग सोडा आपके फोन के स्क्रैच को ठीक कर सकता है। दो चम्मच बेकिंग सोडा में एक चम्मच पानी डालें और एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं। एक सूखे कपड़े में इस पेस्ट को लगा कर आराम से स्क्रीन पर घुमाइए और फिर देखिए कमाल। अपने स्क्रीन के स्क्रैच को ठीक करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। स्क्रीन पर हल्के हाथ से टूथपेस्ट रगड़ें और चुटकियों में आपकी स्क्रीन से स्क्रैचेस गायब हो जाएंगे। फोन की स्क्रीन टूट गई है तो क्रैक लाइन्स पर ट्रांसपैरेंट नेल पॉलिश लगाएं और थोड़ी देर बाद आपकी स्क्रीन फिक्स हो जाएगी। सैंडपेपर का इस्तेमाल आपको फोन से स्क्रैच से छुटकारा दिला सकता है। अच्छी क्वॉलिटी का सैंडपेपर अपने फोन की स्क्रीन पर हल्के हाथ से रगड़ें कुछ ही देर में सारे स्क्रैचेस गायब हो जाएंगे।

पहाड़ों पर बाइक की सवारी...

चेहरे से टकराती, बालों को सहलाती तेज हवा, कभी तेज चढ़ाई, कभी तीखी ढलान, बल खाती सड़क, गहरे मोड़, चारों ओर हरियाली, पौधों की सुगंध किसी का भी मन मोहने में सक्षम है। यही वह आकर्षण है जिसमें बंधे लोग बार-बार पहाड़ों की ओर मोटरसाइकिलें लेकर निकल पड़ते हैं।

एडवेंचर युवाओं का आज सबसे बड़ा पैशन है। एडवेंचर टूर पर जाना और वहां के हालातों से रूबरू होकर वापस लौटना जिंदगी भर के लिए आपकी यादों में बस जाता है। बलखाती सड़क, गहरे मोड़ , तीखी ढलान के मोह में युवा बार-बार पहाड़ों की तरफ मोटरसाइकिलें लेकर निकल पड़ते हैं।

मोटरसाइकिल की सवारी में वैसे तो रोमांच ही रोमांच है, लेकिन पहाड़ों पर मोटरसाइकिल चलाने का मजा ही कुछ और है। यह बात जरूर है कि इसमें खतरे भी कम नहीं हैं। दरअसल, पहाड़ों पर ले जाने वाली मोटरसाइकल शक्तिशाली होनी चाहिए, भले ही उसकी स्पीड ज्यादा न हो, लेकिन बैलेंस करने की क्षमता अच्छी होनी चाहिए। ऐसी यात्रा से पहले कुछ तैयारी भी करनी होती है। पहाड़ की यात्रा में बैलेंस भी सबसे जरूरी है। ऐसी बाइक जिसका वजन आगे-पीछे 40-60 हो, वो बेहतर है। आपको बाइक में होने वाली छोटी-मोटी गड़बडी ठीक करना आनी चाहिए। बेहतर रोड ट्रिप के लिए चौड़ा टायर सही होता है।

गाड़ी का टूपिन ज्यादा पॉवरफुल होना जरूरी नहीं, लेकिन उससे शक्ति कम आरपीएम पर मिल सके तो ठीक होता है। आजकल मोटरसाइकिल अपनी निर्माण गुणवत्ता के चलते काफी विश्वसनीय होने लगी है। बाजार में हर व्यक्ति की जरूरत के अनुरूप मोटरसाइकिलें हैं। 100 सीसी से लेकर 350 सीसी तक मोटरसाइकिलें आम हैं और विशेष मोटरसाइकिलें विदेश से मंगाना भी कठिन नहीं।

सर्विसिंग करा लें

आप जो बाइक ले जाना चाहें उसकी सर्विसिंग जरूर करा लें, भले ही वह ठीक चल रही हो। पहाड़ी रास्ते प्रायः बारिश या भूस्खलन के चलते खराब होते रहते हैं। अतः मोटरसाइकिल के नट-वोल्ट की जांच ठीक से कर लें। मोटरसाइकिल में सबसे बड़ी समस्या पंक्चर की होती है। अतः इसकी व्यवस्था जरूरी है। आपको छोटी-मोटी गड़बड़ी ठीक करना, पहिया खोलना, टयूब निकालना, पंक्चर लगाना आना चाहिए। वैसे अब पहाड़ों में लोगों की आवाजाही बढ़ने से जगह-जगह पंक्चर ठीक करने वाले भी मिलने लगे हैं, परंतु बीच राह में आप ही अपने मददगार होंगे। यात्रा के दौरान अपनी मोटरसाइकिल को प्रतिदिन सुबह टायरों में हवा, सभी नट-वोल्ट, इंजन ऑयल तथा स्टार्टिंग हेतु जांचना चाहिए। सामान बांधते समय भी मोटरसाइकिल के संतुलन का पूरा ध्यान रखना चाहिए। स्पेयर्स में प्लग, स्टार्टिंग क्वायल, क्लच वायर, ब्रेक वायर, पंचर किट, फुट पंप, हेडलाइट बल्ब, चेन लिंक, क्लच तथा ब्रेकलीवर, रबर पाइप और स्पेयर टूयब्स आदि जरूर रखें। टूल्स में प्लग ओपनर, स्क्रू ड्राइवर, रिंच, टायर ओपनर लीवर्स, प्लास, फोल्डिंग हैमर, स्टार्टिंग क्वायल खोलने लगाने के औजार, वाल्व ओपनर, एक छोटी व शक्तिशाली टॉर्च भी रखें।

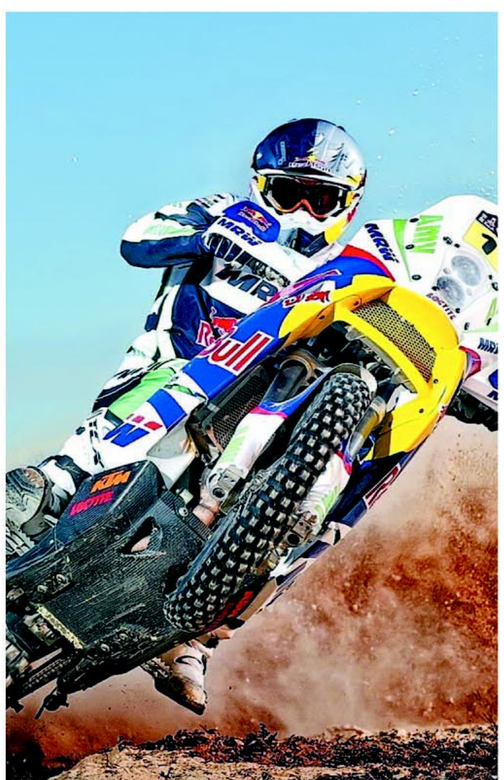

सामान कम रखें

मोटरसाइकिल यात्रा में सामान कम से कम होना चाहिए। फिर भी जैकेट, विंडचीटर, जींस, मौसम के अनुरूप जूते, मोटे मोजे, ग्लव्स, मफलर, धूप का चश्मा, छोटे बैग्स, हैवरसैक वाटर बॉटल जरूर रखें। सामान को बांधने के लिए सूती रस्सी का प्रयोग करें और उसे पॉलीथिन से ढक कर रखें।

लगातार न चलें

पहाड़ों पर कभी भी लगातार लंबी दूरी तय न करें। बीच-बीच में रुकना साइटसीइंग के साथ एकरसता तोड़ने तथा थकान से बचने हेतु भी जरूरी हैं। पहाड़ पर कभी भी तेज गति से बाइक नहीं चलानी चाहिए। अंधेरा होने पर पहाड़ों पर नहीं चलना चाहिए। यात्रा में दूरी के हिसाब से पहले से योजना बना कर एक दिन में तय हो सकने वाली दूरी का लक्ष्य रखना चाहिए। साथ ही ठहरने के स्थान का भी ध्यान रखना चाहिए।

क्षेत्र की जानकारी जरूरी

यात्रा पर निकलने से पहले आप जिस क्षेत्र में जा रहे हैं वहां के वातावरण, रास्ते, सड़कें, रुकने के स्थान, दर्शनीय स्थल, विशेषताएं, जाने का सही समय आदि सभी जरूरी जानकारियों से लैस हो लें। आप को हमेशा ही अपने पैर अपनी ब्रेक पर रखने चाहिए क्योंकि न जाने कब इसकी जरूरत पर जाए। इससे आप अपनी मोटर साइकिल की स्पीड कम कर सकते हैं। याद रक्खें कभी भी इसकी गलती न करे। वरना बाइक किसी से ठुक जाएगी।

रोड पर ध्यान रखें

पहाड़ का रोड हमेशा ही छोटा होता है क्योंकि यह पहाड़ को काट कर बनाया जाता है। आप यहां लापरवाह नहीं हो सकते हैं। एक बार गलती होने पर यहां किसी भी तरह बचा नहीं जा सकता। आप को पूरी तरह अपना ध्यान रोड की तरफ केंद्रित करना होगा। आपको यह देखना होगा कि कौन आगे से आ रहा है। आपको उसके मुताबिक मोटर साइकिल को चलाना होगा। यहां रास्ते सांप की तरह होते हैं। जरा भी ध्यान भंग दुर्घटना को अंजाम दे सकता है। उपयोग में केवल दूसरा व तीसरा गियर ही लाएं। वरना आप की बाइक रुक सकती है और पीछे जाम लग सकता है।

संतुलन है जरूरी

ऐसी यात्रा से पूर्व कुछ तैयारियां भी करनी होती हैं, जिससे विपरीत हालात बनने पर उनसे आसानी से निबटा जा सके। पहाड़ की यात्रा में संतुलन सबसे जरूरी है। टायर की चौड़ाई वाहन के रोड ग्रिप को तय करती है। बेहतर रोड ग्रिप के लिए चौड़ा टायर सही होता है। गाड़ी का टूपिन अधिक ताकतवर होना जरूरी नहीं, पर उससे शक्ति कम आरपीएम पर मिल सके तो ठीक होता है। ऐसी बाइक पहाड़ों पर अधिक उपयोगी होती है, जिसके दूसरे व तीसरे गियर में न सिर्फ पर्याप्त शक्ति हो, बल्कि उन्हें बार-बार बदलने की जरूरत न पड़े। यद्यपि जब रोमांचक यात्रा पर हों तो ईंधन खपत खास महत्व नहीं रखता, पर सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में कम ईधन खपत वाली बाइक आपको चिंतामुक्त रखेगी।

मोड़ते समय याद रखें

जैसे ही मोड़ आए तो आप को एक दम ही किसी दूसरी गाड़ी को क्रॉस नहीं करें क्योंकि सामने से कोई आ सकता है मोड़ होने की वजह से वह आप को दिखाई नही देगा। इस कारण मोटरसाइकिल उससे ठुक सकती है। अपनी बाइक की गति 20 किमी / घंटा या 30 किमी / घंटा पर ही रखें। छोटी दूरी के बाद रोड बदल जाता है स्पीड यदि ज्यादा होगी तो आपको रोकना मुश्किल होगा जिससे दुर्घटना हो सकती है। आप को खुद पर भरोसा रखना होगा कि आप में मोटर साइकिल को पहाड़ पर चलाने की शक्ति है। आप में ऐसा साहस है कि आप इस काम को आसानी सी कर सकते हैं। आपको कोई ताकत भयभीत नहीं कर सकती है। यह सच है कि पहाड़ पर जोखिम तो है पर आप हर जोखिम लेने के लिए सक्षम हैं।

कार से रोड ट्रिप...

यदि आप कार से रोड ट्रिप पर जाने का सोच रहे हैं तो अपनी कार में जरूरत के अनुसार चीजें ले जाना न भूलें। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसी चीजें जो हमेशा आपकी कार में होनी चाहिए।

विंडस्क्रीन माउंट

आपको चाहे अब तक विंडस्क्रीन माउंट जरूरत महसूस नहीं हुई हो लेकिन एक बार इसका इस्तेमाल करने से आपको इस बात का अहसास होगा कि यह आपके लिए कितना जरूरी है। इसके इस्तेमाल से आपका फोन हमेशा सेफ बना रहेगा फिर चाहे आपको ब्रेकर से होकर गुजरना पड़े या गड्ढों से, आपके फोन को कोई नुकसान नहीं होगा। विंडस्क्रीन माउंट की मदद से फोन को इस्तेमाल करना भी बेहद आसान हो फिर चाहे आपको मैप का इस्तेमाल करना हो या फोन में गाने सुनने हों।

कार सेफ्टी हैमर

मुसीबतें बता कर नहीं आती, इसलिए आपको सेफ्टी से जुड़ी चीजें भी अपनी कार में रखनी चाहिए। अपनी कार में आपको सेफ्टी हैमर रखना चाहिए जिससे कोई भी मुसीबत आने पर आप आराम से कार का शीशा तोड़ कर बाहर निकल सकें साथ ही इसमें बने कटर से आप सीट बेल्ट को भी आसानी से काट सकते हैं।

टॉर्च

हो सकता है कि आपके स्मार्टफोन में फ्लैशलाइट फीचर हो लेकिन हर जगह उसका इस्तेमाल करना मुमकिन नहीं है। हो सकता है जिस समय आपको टॉर्च की जरूरत हो उस समय आपके फोन की बैटरी लो हो और कुछ ही समय में वो आपको परेशानी में छोड़ कर बंद हो जाए, इसलिए जरूरी है कि आप अपनी कार में एक टॉर्च हमेशा रखें।

खाली कैन

अगर कभी आपकी कार में रास्ते में पेट्रोल खत्म हो जाए और ऐसा कोई तरीका नहीं हो कि आप अपनी कार को किसी तरह पेट्रोल पंप तक ले जाएं तो ऐसे समय में केवल यह कैन ही आपकी मदद कर सकता है। ऐसे समय में अपनी कार को लॉक कर, ऑटो रिक्शा लेकर पेट्रोल पंप पर जाकर पेट्रोल ले कर वापस आएं और अब आप कार से वहां जा सकते हैं जहां आप जा रहे थे।

एयर कंप्रेसर पंप

एयर कंप्रेसर बाजार में अलग- अलग डिजाइन में मौजूद हैं और यह आपके लिए बेहद जरूरी भी हैं। इलेक्ट्रिक मॉडल मकेनिकल मॉडल से बेहतर ऑपशन है। ध्यान रखें कि इसकी तार इतनी लंबी हो कि आप सभी टायर्स में इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकें।

मैटेलिक कलर्स का क्रेज...

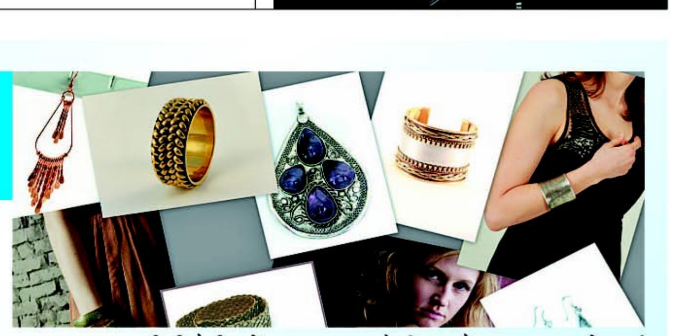

कुछ ट्रैंड्स और स्टाइल ऐसे होते हैं जो कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होते। हम जब चाहे इन्हें अप्लाई कर सकते हैं और भीड़ में भी सबसे अलग लग सकते हैं। फैशन से कभी भी आउट न होने वाले कलर्स में मैटेलिक कलर्स भी शामिल हैं। इनका टैक्सचर यानी शाइनी और डल फिनिश आप अपने अकॉर्डिंग सेलेक्ट कर सकती हैं। हर पैटर्न की ड्रैस इन कलर्स में खिल उठती है। आपको किसी पार्टी में जाना हो और आप डिफरेंट दिखना चाहती हैं तो मैटेलिक ड्रैस एकदम परफैक्ट है।

वनपीस ड्रैसेस और गाउन

मैटेलिक टच में वनपीस ड्रैसेस और गाउन इन दिनों हॉटैस्ट फैशन ट्रैंड बने हुए हैं। फैशन डिजाइनर्स का कहना है कि गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉन्ज, ग्रे जैसे मैटेलिक कलर्स में ड्रैसेस विंटर सीजन में ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। पैंट्स से लेकर स्कर्ट्स तक में इन्हीं कलर्स का यूज किया जा रहा है। मैटेलिक का मतलब यह नहीं है कि वो बहुत ग्लिटरी ही हों। आप ऐसी ड्रैसेस भी सलेक्ट कर सकती हैं जो मैटेलिक तो हों पर डल फिनिश में हों। इन्हें दिन में भी आसानी से कैरी किया जा सकता है। इनके साथ ग्लिटरिंग जरूर कैरी की जा सकती हैं।

मैटेलिक गाउन

बिना किसी डिटेलिंग के प्लेन मैटेलिक शाइन गाउन के साथ सिंपल, सोबर और स्टाइलिश दिखा जा सकता है। डिटेलिंग के साथ फ्रंट स्लिट वन ऑफ शॉल्डर गाउन आपको ग्लैमरस और सैक्सी लुक देगा। सिल्वर कलर पर सिल्वर और डल गोल्ड एम्ब्राइड्री, गाउन के लुक को और भी आकर्षक बना देगी। मैटेलिक गाउन के साथ सिर्फ ईयररिंग्स कैरी करना ही सफिशिएंट होगा।

लाइनिंग वनपीस

मैटेलिक लुक के साथ लाइनिंग वनपीस ड्रेस बहुत सुंदर लगती है। मैटेलिक सिल्वर और गोल्डन वनपीस ड्रैसेस के साथ चेस्टफील्ड कोट और हंटर कोट का कॉम्बिनेशन भी बढ़िया लगता है। इसके साथ सिर्फ लाइट वेट ज्वैलरी कैरी करना सफिशिएंट रहेगा।

एक्सेसरीज भी

अपने लुक को ग्लैमराइज करने के लिए सिर्फ ड्रैसेस ही नहीं बल्कि मैटेलिक कलर की बैल्ट्स, ज्वैलरी, हैंडबैग्स और यहां तक कि शूज भी सेलेक्ट कर सकती हैं। मैटेलिक कलर के आउटफिट्स को हमेशा न्यूट्रल शेड्स जैसे बेज, ग्रे, व्हाइट, ब्लैक के साथ टीमअप करें और एक्सेसरी भी न्यूट्रल कलर की ही कैरी करें। नाइट आउट के लिए ब्लैक, ब्लू या दूसरे डार्क शेड्स सलेक्ट कर सकती हैं। बहुत ज्यादा शाइन आपको ओवरशाइनी दिखा सकता है, लेकिन एक बैलेंस्ड शाइन से आप सैंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। मैटेलिक आउटफिट्स के साथ मेकअप को भी कम से कम ही रखने की कोशिश करें।

सावधानी जरूरी

मैटेलिक कलर्स के साथ थोड़ा केयरफुली प्ले करना पड़ेगा आपको, क्योंकि अगर आपसे थोड़ी-सी भी गलती हो गई तो ये ट्रैंड आपके लिए बहुत बड़ा ब्लंडर भी साबित हो सकता है। कुछ बातों का ध्यान रखकर आप किसी भी तरह की मिस्टेक से आसानी से बच सकती हैं। खुद को मैटेलिक कलर्स से कवर करने की गलती कभी ना करें। टॉप और बॉटम में से किसी एक को ही इस फैब्रिक में पिक करें। टॉप अगर मैटेलिक हो तो अपने ट्राउजर्स या स्कर्ट्स को प्लेन रखें। गोल्ड और ब्राउन या ब्लैक कलर की मैसी शेड्स स्कर्ट के साथ प्लेन ब्लैक या ब्राउन सैंडो टॉप काफी फबती है। अगर बॉटम मैटेलिक कलर्स में है तो लाइट ज्वैलरी ही कैरी करनी चाहिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**